सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2020-22

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

आवश्यकता है
मीडिया हाउस
में काम करने के लिए
ऑफिस बॉय की जरूरत है।
(छुटपुट कुकिंग कार्य करने वाले को प्राथमिकता)
वेतन चार अंकों में ....
पता : शॉप नंबर 12, रेलवे क्रासिंग के पास, आकाशगंगा , सुपेला, भिलाई
संपर्क : 9827806026, 8319932659

वर्ष- 14 अंक - 342 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, रविवार 24 सितंबर 2023 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास - खबर

भारी बारिश के बाद आई बाढ़ लकवे की शिकार महिला सहित चार की हुई मौत

नागपुर (एजेंसी)। नागपुर में भारी बारिश के बाद आई बाढ़ चार लोगों के लिए काल बनकर आई। बाढ़ में 53 वर्षीय लकवे की शिकार महिला समेत चार की मौत हो गई। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फ्डणवीस ने देर शाम घोषणा की कि मृतकों के परिजनों को मुआवजे के रूप में चार लाख रुपये दिए जाएंगे। वहीं, उन्होंने आज सुबह नागपुर में बारिश की स्थिति का जायजा लिया।

पहला मामला सुरेंद्रगढ़ का है। एक अधिकारी ने बताया कि यहां संध्या धोरे और उनकी मां सयाबाई धोरे (72) के घर में बाढ़ का पानी घुस गया। हालांकि, रिश्तेदारों ने सयाबाई को बचा लिया, जबकि लकवे की शिकार संध्या को नहीं बचाया जा सका। वहीं, दूसरा मामला गिट्टीखदान का है। यहां अकेली रहने वाली 70 वर्षीय मीराबाई कप्पूस्वामी की देर रात करीब दो बजे घर में पानी घुसने से मौत हो गई। इसके अलावा, शनिवार शाम को धनतोली पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत पंचशील चौराहे के पास एक नाले में एक अज्ञात शव मिला।

चौथा मामला अयोध्या नगर से सामने आया है। यहां के रहने वाले 52 वर्षीय चाय विक्रेता संजय शंकर गाडेगांवकर की सरकारी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल के परिसर में तड़के 3 बजे पानी में डूबने से मौत हो गई। अधिकारी ने बताया कि वह जीएमसीएच में एक रिश्तेदार से मिलने आया था। अजनी पुलिस ने दुर्घटनावश मौत का मामला दर्ज किया है।

जहरीली शराब के नाम से हड़कंप दो की मौत और दो लोगों की गई आंखों की रौशनी

मुजफ्फरपुर (एजेंसी)। मुजफ्फरपुर जिला के काजी मोहम्मदपुर थाना क्षेत्र के पोखरिया पीर में दो लोगों की संदिग्ध हालत में मौत हो गई। दो लोगों की आंख की रौशनी चली गई। परिजनों का आरोपी है कि जहरीली शराब पीने के बाद ऐसी हालत हुई है। इधर, घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। आसपास के लोगों की मौत हो गई। सूचना मिलते ही काजी मोहम्मदपुर पुलिस मौके पर पहुंच मामले की छानबीन शुरू कर दी है। घटना के बाद स्थानीय लोगों में आक्रोश है। उनका आरोप है कि इलाके में खुलेआम देसी और विदेशी शराब की बिक्री हो रही है। पुलिस इस पर लगाम नहीं लगा पा रही है। मोहल्ले की महिलाओं का कहना है कि सभी ने शनिवार शाम को शराब पी थी। रात से सभी की तबीयत बिगड़ने लगी। रविवार सुबह-सुबह दो लोगों की मौत हो गई। जबकि दो लोगों की आंख की रौशनी चली जाने से उन्हें कुछ दिखाई नहीं दे रहा। महिलाओं ने आरोप लगाया कि यहां कोई शराबबंदी नहीं है। आसानी से शराब मिलता है।

शिवचंद्र पासवान पर शराब बेचने का आरोप

इधर, मरने वालों के मोहल्ले में रहने वाले शिवचंद्र पासवान द्वारा शराब बेचने की बात सामने आई है। घटना के बाद से वह फरार है। शराब छापेमारी के दौरान वह घर से फरार मिला। इसके बाद पुलिस टीम मौके से उसकी बेटी और पत्नी को हिरासत में ले लिया। इधर, घटना के बाद टाउन एएसपी अवधेश कुमार दीक्षित मौके पर पहुंचे। उनका कहना है कि पोस्टमार्टम के बाद ही मौत का कारण स्पष्ट हो पाएगा।

भारत की झोली में पांच पदक, तीन रजत और दो कांस्य, हॉकी टीम की बड़ी जीत

नई दिल्ली (एजेंसी)। चीन के हांगझोऊ में जारी 19वें एशियन गेम्स का आज यानी 24 सितंबर को पहला दिन है और भारत को 5 पदक मिल चुके हैं। भारत का पदकों का खाता तो खुल गया है, लेकिन अभी गोल्ड मेडल आना बाकी है। भारतीय खिलाड़ियों ने अब तक 3 सिल्वर और 2 ब्रॉन्ज मेडल जीते हैं। रोइंग टीम ने 2 सिल्वर और एक ब्रॉन्ज मेडल, जबकि एयर राइफल टीम ने एक रजत पदक और एयर राइफल में ही एक और ब्रॉन्ड मेडल देश को मिला है। टेनिस में भारत के सिंगल्स के राउंड 32 के मुकाबले में सुमित नागल ने मकाऊ के मार्को लेउंग को 6-0, 6-0 से हराया। वे अब राउंड 16 में प्रवेश कर चुके हैं।

एशियन गेम्स-2023

भारत को मिला पांचवां पदक

रमिता ने शूटिंग में देश को पांचवां मेडल दिलाया। वुमेंस 10 मीटर एयर राइफल में रमिता ने ब्रॉन्ज मेडल पर कब्जा किया। इससे पहले उन्होंने वुमेंस 10 मीटर एयर राइफल टीम प्रतियोगिता में सिल्वर मेडल जीता था। उनके साथ उस टीम का हिस्सा आशी चौकसी और मेहुली घोष थीं। वुमेंस 10 मीटर एयर राइफल्स में भी चीन को ही गोल्ड मेडल मिला है। यहां तक कि सिल्वर मेडल पर भी चीनी खिलाड़ी का ही कब्जा है।

हॉकी टीम की विशाल जीत

- भारत की मेंस हॉकी टीम को टूर्नामेंट के अपने पहले मैच में विशाल जीत मिली। भारत ने उज्बेकिस्तान की टीम को 16-0 से मात दी। इस मैच में भारत के लिए तीन खिलाड़ियों ने हैट्रिक ली।
- भारत ने एशियन गेम्स 2023 के पहले दिन का चौथा मेडल रोइंग में जीता। रोइंग में ये कुल तीसरा पदक है। भारत ने टीम के तौर पर सिल्वर मेडल पर कब्जा किया।
- भारत को दिन का तीसरा मेडल रोइंग टीम ने दिलाया। बाबू लाल यादव और लेख राम ने एक जोड़ी के तौर पर कांस्य पदक अपने नाम किया।
- एशियन गेम्स 2023 में भारत और उज्बेकिस्तान के बीच हॉकी मैच खेला गया। ये ग्रुप फेज का मैच है। तीसरे क्वॉर्टर के बाद भारत 12-0 से आगे था। इसके बाद चौथे क्वार्टर में भारत ने चार गोल किए और 16-0 की बढ़त के साथ मैच खत्म किया।
- तीसरे क्वॉर्टर के बीच में भारत ने दो गोल किए और इसी क्वॉर्टर के आखिर में भारत ने तीन और गोल दागे और बढ़त को 12-0 कर दिया।
- दूसरे क्वॉर्टर के शुरुआत में ही भारत ने दो और गोल किए। इसी क्वॉर्टर में तीसरा, चौथा और पांचवां गोल भी आया और बढ़त को 7-0 से आगे कर दिया।
- भारत पहले क्वॉर्टर के शुरुआत में ही पहला गोल किया और बढ़त को 1-0 कर लिया। पहले क्वॉर्टर के आखिर में भारत ने एक और बार गेंद को नेट्स में पहुंचाकर बढ़त को 2-0 किया।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने भी पदक पक्का कर लिया है। भारत ने सेमीफाइनल मैच में बांग्लादेश की टीम को हराया। ये मैच लो स्कोरिंग था, जिसे भारत ने 8 विकेट से जीता और कम से कम सिल्वर मेडल पर कब्जा करने का काम किया। फाइनल मैच में भारत का सामना किससे होगा, ये अभी तय नहीं है।

कार चालक ने डॉक्टर दंपति को मारी टक्कर, दोनों गंभीर रूप से घायल, अस्पताल में कराया गया भर्ती

जगदलपुर। जगदलपुर से 10 किमी दूर पंडरीपानी मोड़ में एक तेज रफ्तार कार चालक ने स्कूटी में जा रहे डॉक्टर दंपति को टक्कर मार दी। इस घटना में दोनों पति-पत्नी को गंभीर चोट आई है। जिन्हें उपचार के लिए मेकाज में भर्ती किया गया है।

मामले की जानकारी देते हुए पुलिस ने जानकारी दी कि आंध्र प्रदेश निवासी डॉक्टर के स्वर्णलता 33 वर्ष व उनके पति डॉक्टर अनंत नारायण रविवार की सुबह अपनी स्कूटी पर सवार होकर चर्च जा रहे थे कि जैसे ही पंडरीपानी मोड़ के पास पहुंचे कि जगदलपुर की ओर से आ रही तेज रफ्तार कार चालक ने सामने से टक्कर मार दी। घटना इतनी जबरदस्त थी कि कार का सामने हिस्सा पूरी तरह से छतिग्रस्त हो गया, साथ ही कार में लगा एयर बैग भी खुल गए। इस घटना में पति-पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें दूसरे वाहन की मदद से मेकाज लाया गया। घायलों को बेहतर उपचार के लिए एसआईसीयू में भर्ती किया गया है।

15 साल पहले नक्सलियों ने सीआरपीएफ जवान से लूटी थी राइफल, एनकाउंटर में हुई बरामद

श्रीकंचनपथ न्यूज

दंतेवाड़ा। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित जिले दंतेवाड़ा में सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच 20 सितंबर को भीषण मुठभेड़ हुई। एनकाउंटर के दौरान कई राउंड की फायरिंग हुई। अंत में सुरक्षाबलों को बड़ी कामयाबी मिली और 2 महिला नक्सलियों को मार गिराया गया। महिला नक्सलियों के पास से

बरामद सामग्री की जब जांच शुरू हुई तो उनके पास कई तरीके के हथियार मिले। इन सब के बीच एक इंसास राइफल मिली जिसकी डिटेल सुरक्षाबलों के पास पहले से थी। जब इस बारे में और छानबीन की गई तो पूरी हिस्ट्री पता चल सकी। दरअसल एनकाउंटर में मरने वाली महिला नक्सली के पास सीआरपीएफ के एक जवान से लूटी गई इंसास राइफल थी। इतना ही नहीं राइफल तकरीबन 15 साल पहले लूटी गई थी।

जानकारी के अनुसार नक्सलियों द्वारा वर्ष 2008 में छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले के कटेकल्याण बाजार में केन्द्रीय रिज़र्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के जवान पर हमला किया गया था। उस दौरान नक्सली जवान के हथियार लेकर फरार हो गए थे। लूटे गए हथियार के बारे में सीआरपीएफ ने अपने डेटाबेस में एंट्री कर रखी थी। जिसके बाद महिला नक्सली से एनकाउंटर में बरामद हथियार की जांच हुई तो इस बारे में पता चल सका।

बस्तर रेंज के आईजी सुंदरराज पी ने बताया कि 20 सितंबर को दंतेवाडा और सुकमा जिले की सीमा के निकट में नागारम के जंगल में हुई पुलिस-नक्सली मुठभेड़ में दो महिला नक्सली मारी गई थी। इनके पास एक इंसास और एक बारह बोर की में रायफल बरामद हुई है। पुलिस ने जब हथियारों का परीक्षण करवाया तो बरामद इंसास रायफल 15 वर्ष पूर्व कटेकल्याण साप्ताहिक बाजार में ड्यूटी कर रहे सीआरपीएफ के जवान से लूटी हुई मिली। उन्होंने बताया कि इस वर्ष नक्सलियों से कई हथियार बरामद किए गए हैं, जिनमें कुछ पुलिस के लुटे हुए हथियार भी शामिल हैं। हालांकि अबतक इतना पुराना लूटा हुई कोई हथियार नहीं मिला था। ऐसा माना जाता है कि नक्सली लंबे समय तक एक हथियार का उपयोग नहीं करते हैं। 1 या 2 साल में बदल देते हैं। ऐसे में इस रायफल का मिलना बेहद आश्चर्यजनक है।

आगामी चुनाव को लेकर राहुल गांधी ने कहा-एमपी-छत्तीसगढ़ में जीत तय

भाजपा पर साधा निशाना, कहा-ध्यान भटकाकर चुनाव जीतना इनकी फितरत

नई दिल्ली/रायपुर (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने आगामी चुनावों को लेकर बड़े दावे किए। वहीं, एक बार फिर भाजपा पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि हमने कर्नाटक में एक बहुत महत्वपूर्ण सबक सीखा है। सबक यह था कि भाजपा ध्यान भटकाकर चुनाव जीतती है। दरअसल, राहुल दिल्ली में एक कार्यक्रम में बोल रहे थे। राहुल गांधी ने कहा, 'हमने कर्नाटक में एक बहुत ही महत्वपूर्ण सबक सीखा। सबक यह था कि भाजपा ध्यान भटकाकर चुनाव जीतती है और हमें अपना पक्ष रखने की अनुमति नहीं देती है। यही पैंतरा हमने कर्नाटक में अपनाया। हम उसी की तरह चुनाव लड़े। हमने उसे अपना पक्ष रखने का समय ही नहीं दिया।'

कांग्रेस नेता ने कहा कि आज आप जो देख रहे हैं, बिधूड़ी और फिर अचानक यह निशिकांत दुबे, यह सब जाति जनगणना के विचार से ध्यान भटकाने की कोशिश करने के लिए भाजपा कर रही है। उन्होंने विपक्षी दलों के गठबंधन इंडिया पर भी बात की। कहा कि भारत के किसी भी व्यवसायी से पूछिए कि अगर वे किसी विपक्षी दल का समर्थन करते हैं तो उनका क्या होता है।

उन्होंने कहा कि अब हम एक राजनीतिक दल से नहीं लड़ रहे हैं, हम भारत के विचार की रक्षा करने के लिए लड़ रहे हैं और इसलिए हमने अपना नाम INDIA रखा है। राहुल गांधी ने कहा, 'अभी हम शायद तेलंगाना में जीत रहे हैं। हम निश्चित रूप से मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ में जीत रहे हैं। इसके अलावा, हम राजस्थान में भी जीत के बहुत करीब हैं।' उन्होंने कहा कि हमें लगता है कि हम जीतने में सक्षम होंगे। 'वन नेशन, वन इलेक्शन' पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा, 'यह भाजपा की ध्यान भटकाने वाली रणनीतियों में से एक है। भारत में मुख्य मुद्दे बड़े पैमाने पर बेरोजगारी और निचली जाति, ओबीसी व आदिवासी समुदायों के प्रति भारी अन्याय हैं।

पीएम मोदी ने देश को समर्पित कीं 9 वंदे भारत एक्सप्रेस 11 राज्यों को बड़ी सौगात

नई दिल्ली (एजेंसी)। पीएम नरेंद्र मोदी ने आज 11 राज्यों को बड़ा गिफ्ट देते हुए नौ वंदे भारत एक्सप्रेस देश को समर्पित कीं। पीएम मोदी ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए इन ट्रेनों को हरी झंडी दिखाई। ये नौ ट्रेनें ग्यारह राज्यों राजस्थान, तमिलनाडु, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, बिहार, पश्चिम बंगाल, केरल, ओडिशा, झारखंड और गुजरात में कनेक्टिविटी को बढ़ावा देंगी। ये वंदे भारत ट्रेनें अपने संचालन के मार्गों पर सबसे तेज़ ट्रेन होंगी और यात्रियों का काफी समय बचाने में मदद करेंगी।

बदलेगा मौसम का मिजाज, कई इलाकों में बारिश के आसार, बढ़ेगा तापमान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में मौसम का मिजाज बदलने वाला है। फ्लिहाल, राजधानी रायपुर समेत प्रदेश के कई इलाकों में आज सुबह से ही हल्की मध्यम बारिश हो रही है। बीते दिनों शनिवार को बादल छाए रहे। इसके साथ ही कुछ जगहों पर बारिश हुई है। प्रदेश में तापमान बढ़ने की संभावना है। एक जून से लेकर 23 सितंबर तक छत्तीसगढ़ में 1020 मिलीमीटर बारिश हुई है, जो कि सामान्य से आठ फीसद कम है।

मौसम विभाग के अनुसार, छत्तीसगढ़ में बारिश काम होगी। इसके साथ ही अधिकतम तापमान बढ़ेगा। वहीं प्रदेश के कुछ जगहों पर गरज चमक से साथ बिजली गिरने की संभावना है। इसके साथ ही भारी बारिश और कहीं-कहीं मध्यम बारिश होने की संभावना है। मौसम विभाग ने बताया कि प्रदेश के अधिकतम तापमान में अगले 5 दिनों में दो से तीन डिग्री बढ़ने की संभावना है। आने वाले कुछ दिनों तक मौसम में बदलाव की संभावना नहीं है।

मौसम एक्सपर्ट ने बताया कि औसत समुद्र तल पर एक मानसून ट्रफ जैसलमेर, कोटा, गुना, सतना, कृष्णा नगर और वहां से पूर्व की ओर मणिपुर तक गुजराती रहती है। दक्षिण-पश्चिम बिहार और आसपास के क्षेत्र में चक्रवाती परिसंचरण औसत समुद्र तल से 4.5 किलोमीटर ऊपर तक फैला हुआ है। इसके प्रभाव से आज प्रदेश के कई इलाकों में बारिश हो सकती है। मौसम विभाग के अनुसार प्रदेश में अब पर्याप्त बारिश हो गई है। प्रदेश में मौसम का मिजाज बदलने वाला है और बारिश कम होगी।

दोपहर तक पगला जाते हैं लोग, बढ़ते हैं सड़क हादसे

श्रीकंचनपथ न्यूज

छत्तीसगढ़ में 2023 के पहले आठ महीनों में 9200 सड़क हादसे हुए हैं। इन हादसों में 4172 लोगों की मौतें हुई हैं। इनमें भी सबसे ज्यादा हादसे दोपहर 3 बजे से रात 9 बजे के बीच हुए हैं। राजधानी रायपुर की बात करें तो यहां शहर की आउटर एरिया की सड़कों पर सबसे ज्यादा हादसे हुए हैं। इनमें से अधिकांश सड़कें राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण की हैं। पुलिस का कहना है कि रायपुर में चारों दिशाओं से लोगों का आना जाना होता है जिसके कारण यहां यातायात का दबाव सबसे ज्यादा है। पुलिस ने कुछ सड़कों को खतरनाक घोषित करते हुए ब्लैक स्पॉट घोषित किये हैं। ये वो जगहें हैं जहां सबसे ज्यादा हादसे हुए हैं। ब्लैक स्पॉट समय के साथ बदलते रहते हैं। सड़क हादसों के लिहाज से टॉप-10 शहरों में रायपुर, बिलासपुर, दुर्ग, रायगढ़, कोरबा, बलौदाबाजार, राजनांदगांव, जगदलपुर, जांजगीर चांपा, महासमुंद आते हैं। सबसे कम हादसे नारायणपुर, सुकमा, दंतेवाड़ा, मोहला मानपुर, बीजापुर, गौरेला-पेंड्रा, सक्ती, सारगंढ-बिलाईगढ़, मनेंद्रगढ़-चिरमिरी जिलों में हुए हैं। जाहिर है कि सड़के खतरनाक नहीं हैं। सड़कें खतरनाक हो ही नहीं सकतीं। उन पर चलने वाले जरूर लापरवाह और खतरनाक हो सकते हैं। सुबह-सुबह जब लोग प्रेशर मूड में घर से निकलते हैं तब भी दफ्तर जाने वालों, स्कूल-कालेज जाने वालों, दुकान खोलने के लिए जाने वालों की अच्छी खासी भीड़ सड़कों पर होती है। पर तब हादसे बहुत कम होते हैं। जैसे-जैसे दिन चढ़ते जाता है, लोगों का दिमाग गर्म होने लगता है। कोई गुस्से में तो कोई चिड़चिड़ेपन में गाड़ी चला रहा होता है। इसके साथ ही बढ़ने लगते हैं सड़क हादसे। यह सिलसिला संध्या 6 से 8 बजे तक चलता है। 9 बजे के बाद हादसे बहुत कम होते हैं। जाहिर है कि तनाव इन हादसों का सबसे बड़ा कारण है। इसलिए सड़कों को दोष नहीं देना चाहिए। इसीलिए सड़कों की छाती पर ब्रेकर उगाए जाने का भी कोई विशेष लाभ नहीं मिलता। दरअसल, दोपहर के इस वक्त को वैसे भी सेकंड हाफ कहा जाता है। फर्स्ट हाफ के चार-पांच घंटे योजनाबद्ध ढंग से काम होते हैं। सेकंड हाफके दो-तीन घंटों में काम-काज के लटकने और टलने का खतरा बढ़ता चला जाता है। यहीं से हड़बड़ी शुरू होती है। झटपट काम निपटाने के चक्कर में लोग नो एंट्री में घुस जाते हैं, कहीं भी गाड़ी खड़ी करने लगते हैं, जबरदस्ती ओवरटेक करते हैं। सामने कोई ठेला या साइकिल भी आ गया तो दांत पीसने लगते हैं। यह भी एक कारण है कि संभाग मुख्यालयों और जिला मुख्यालयों में सड़के हादसे ज्यादा होते हैं। सड़क हादसों के लिए ट्रैफिक पुलिस भी कम जिम्मेदार नहीं है। बेशक वह खूब चालान करती है और सरकार का खजाना भी भरती है पर खतरनाक चालकों पर नकेल कसने में वह असमर्थ रही है। यही वो चालक हैं जो न केवल अपनी बल्कि सड़क पर चलने वाले दूसरों की जान को जोखिम में डालते हैं।

संपादकीय

बारीक कूटनीति का वक्त

यह वक्त बारीक कूटनीति का है। 'मर्दाना' विदेश नीति का नैरेटिव घरेलू समर्थक वर्ग के लिए ठीक हो सकता है, लेकिन अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सचमुच इस रुख को अपनाना हानिकारक होगा।

कनाडा के भारत पर लगाए आरोपों के बाद अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और ब्रिटेन की जो प्रतिक्रिया आई है, उसे गंभीरता से लिए जाने की जरूरत है। इन तीनों देशों ने कनाडा के इस रुख में स्वर मिलाया है कि खालिस्तानी उग्रवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या की जांच में भारत को कनाडा से पूरा सहयोग करना चाहिए। उधर इन देशों के मीडिया में कथित खालिस्तान आंदोलन का हौव्वा खड़ा किया जा रहा है। अखबारों में लंबी रिपोर्टें छपी हैं, जिनमें सिख समुदाय, खालिस्तान की मांग, इसके इतिहास, कनाडा के उससे संबंध आदि की विस्तार से चर्चा की गई है। उधर ब्रिटेन के अखबारों में खालिस्तान समर्थक अवतार सिंह खांडा की कई महीने पहले हुई मौत की खबरें फिर से सुर्खियों में आ गई हैं। डॉक्टरों ने तब दो टूक कहा था कि खांडा की मौत कुदरती वजहों से हुई, लेकिन अब उसके परिजनों के बिना किसी साक्ष्य के लगाए गए इन आरोपों को जगह मिल रही है कि उसकी हत्या के पीछे भारतीय एजेंसियों का हाथ था।

> भारत इस पहलू को नजरअंदाज नहीं कर सकता। इसलिए यह वक्त बारीक कूटनीति का है। 'मर्दाना' विदेश नीति का नैरेटिव घरेलू समर्थक वर्ग के लिए ठीक हो सकता है, लेकिन अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सचमुच इस रुख को अपनाना हानिकारक होगा। ये बात ध्यान में रखनी चाहिए कि पश्चिम से रिश्तों में खटास आई, तो उससे सबसे ज्यादा खुश चीन और पाकिस्तान जैसे देश होंगे। इसलिए भारत को यह जोखिम नहीं उठाना चाहिए।

इस बीच ऑस्ट्रेलिया में पुलिस ने इस वर्ष हिंदू मंदिरों को अपवित्र करने की हुई घटनाओं के बारे में अपनी रिपोर्ट जारी कर दी है। इसमें परिस्थितिजन्य आधार पर कहा गया है कि यह काम खुद हिंदुत्ववादी संगठनों ने किया और उनका मकसद सामाजिक तनाव पैदा करना था। गौरतलब है कि ये तमाम देश वो हैं, जिन्होंने हाल में भारत को अपने पाले में करने के लिए एड़ी-चोटी का जोर लगाए रखा है। मगर इस कहानी का दूसरा पहलू यह भी है कि भारत ने भी उनके साथ रिश्ते को रणनीतिक कारणों से प्राथमिकता दी हुई है। अब इसमें एक बड़ा पेंच फंस सकता है। एंग्लो-सैक्सन पृष्ठभूमि वाले देशों में खानदानी किस्म का जुड़ाव है। भारत इस पहलू को नजरअंदाज नहीं कर सकता। इसलिए यह वक्त बारीक कूटनीति का है। 'मर्दाना' विदेश नीति का नैरेटिव घरेलू समर्थक वर्ग के लिए ठीक हो सकता है, लेकिन अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सचमुच इस रुख को अपनाना हानिकारक होगा। ये बात ध्यान में रखनी चाहिए कि पश्चिम से रिश्तों में खटास आई, तो उससे सबसे ज्यादा खुश चीन और पाकिस्तान जैसे देश होंगे। इसलिए भारत को यह जोखिम नहीं उठाना चाहिए।

2024 में क्यों नहीं?

महिला आरक्षण के साथ कुछ बड़े सवाल भी जुड़े हुए हैं। जाहिरा तौर पर यह कदम जड़ पर मौजूद समस्या को नजरअंदाज कर फुनगियों को सजा लेने की सोच का संकेत है। महिलाएं राजनीति में कम संख्या में हैं, तो उसकी वजहें समाज में मौजूद हैं।

नरेंद्र मोदी सरकार ने विधायिकाओं में महिला आरक्षण के लिए विधेयक कई अगर और मगर के साथ पेश किया है। जाहिर है, शुरुआत में इस बिल को लाने के बारे में आई खबर से पैदा हुआ उत्साह इन शर्तों को देखने के बाद ठंडा हो गया। कहा गया है कि महिला आरक्षण का प्रावधान दशकीय जनगणना होने के बाद संसदीय और विधानसभाई सीटों के होने वाले परिसीमन के उपरांत लागू किया जाएगा। दशकीय जनगणना के अब तक संपन्न ना होने के लिए सीधे तौर पर केंद्र सरकार जिम्मेदार है। कोरोना महामारी इसमें सिर्फ एक साल की देर का कारण बनी थी। उसके बाद पाकिस्तान सहित दुनिया के तमाम देश जनगणना करवा चुके हैं। भारत में इसे प्राथमिकता नहीं दी गई, तो यह ठोस आंकड़ों के प्रति वर्तमान सरकार के अपमान भाव का सबूत है। संसदीय सीटों का परिसीमन वैसे भी एक विवादास्पद मुद्दा बनने वाला है। परिवार नियोजन नीतियों पर जनसंख्या नियंत्रित करने वाले दक्षिणी राज्य इसका पुरजोर विरोध करेंगे, यह तय है।

चूंकि आनुपातिक रूप से उनकी जनसंख्या कम बढ़ी है, इसलिए अगर आबादी के अलावा कोई और फॉर्मूला नहीं अपनाया गया, तो लोकसभा में उनकी अपेक्षाकृत कम हो जाना निश्चित ही है। और जब तक ये दोनों प्रक्रियाएं पूरी नहीं की हो जातीं, महिला आरक्षण अधर में लटका रहेगा। इसीलिए इस मौके पर इस बिल लाने को सरकार की सुर्खियां प्रबंधित कर अपने अनुकूल जन-धारणा बना लेने की रणनीति का हिस्सा बताया गया है। बहरहाल, महिला आरक्षण के साथ कुछ बड़े सवाल भी जुड़े हुए हैं। जाहिरा तौर पर यह कदम जड़ पर मौजूद समस्या को नजरअंदाज कर फुनगियों को सजा लेने की सोच का संकेत है। महिलाएं राजनीति में आकर अपने दम पर नहीं उभर पातीं, तो उसकी वजहें भारत की सामाजिक, और आर्थिक और सांस्कृतिक माहौल में छिपी हैं। उन्हें दूर करने की योजना बनाए बगैर ऊपरी तौर पर संस्थाओं में महिलाओं का प्रतिनिधितव बढ़ाने के उपाय करना सिर्फ दिखावटी और सजावटी ही होगा। अगर साथ-साथ दोनों जगहों पर ऐसी पहल हो, भारतीय समाज में प्रगतिशील बदलाव देखने को मिल सकते हैं। वरना, महिला प्रतिनिधि जारी सियासत के घेरे में ही कैद रहेंगी।

नीचे जाने की होड़!

न्याय मांगने वाले समुदायों की सोच का दायरा ऐसा सिमट गया है कि वे आरक्षण की मांग से ज्यादा फिलहाल सोच नहीं पा रहे हैं। नतीजा यह है कि राजनीतिक दलों के लिए जातीय कार्ड खेलना आसान हो गया है।

झारखंड और पश्चिम बंगाल में कुर्मी समुदाय के लोग खुद को अनुसूचित जन-जाति (एसटी) श्रेणी में शामिल कराने की मांग को लेकर आंदोलनरत हैं। इस समुदाय के लोग अनिश्चितकालीन धरने पर बैठे हुए थे, लेकिन बुधवार को कलकत्ता हाई कोर्ट ने इसे गैर-कानूनी और असंवैधानिक करार दिया। इसके बाद समुदाय ने धरना तो हटा लिया, लेकिन उन्होंने अलग-अलग जगहों पर विरोध जताने का सिलसिला जारी रखने का एलान किया है। उधर महाराष्ट्र में मराठा और ओबीसी समुदाय के लोग आमने-सामने हैं। मराठा मजबूत समुदाय है और उसकी ओबीसी कोटे के तहत आरक्षण की मांग के आगे राजनीतिक दल झुके हुए हैं। पहले उन्होंने आरक्षित सीटों का कोटा बढ़ा कर रास्ता निकाला। लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने उस प्रावधान को रद्द कर दिया। तो अब ओबीसी कोटे के तहत ही आरक्षण की मांग मराठा समुदाय ने उठाई है। जबकि ओबीसी महासंघ का कहना है कि ऐसा हुआ, तो इससे उनके हित प्रभावित होंगे। इसलिए वे लोग विरोध पर उतर आए हैं। मुद्दा है कि खुद को अपने से अधिक पिछड़े समुदायों की श्रेणी में शामिल करवाने की होड़ क्यों लगी हुई है?

जिस समय कांग्रेस सहित तमाम विपक्षी पार्टियों ने महिला आरक्षण के अंदर ओबीसी आरक्षण और जातीय जनगणना की मांग में अपनी आवाज मिला दी है, उन्हें इस पर जरूर सोचना चाहिए कि क्या इससे संबंधित समुदायों का पिछड़ेपन दूर जाएगा? ऐसा होता, तो कुर्मी समुदाय के लोग मौजूदा आंदोलन को क्यों खड़ा करते? और ऐसी मांग करने वाला कुर्मी अकेला समुदाय नहीं है।

> **विपक्ष इस दांव को समझता है, पर आधी आबादी के हक-हुकूक को सियासत की सांप-सीढ़ी का हिस्सा नहीं मानना चाहिए। इस रुके हुए फैसले को अब और रोकना अनुचित होगा। प्रधानमंत्री मोदी अगर इस मुद्दे को सिरे तक पहुंचाने में कामयाब रहते हैं, तो तय है कि इसका असर उतना ही दूरगामी होगा, जितना जवाहरलाल नेहरू के दलित और विश्वनाथ प्रताप सिंह के पिछड़ा आरक्षण का हुआ था।**

एक रूका हुआ फैसला

शशि शेखर

मुंह पर चकाचौंध कर देने वाली रोशनी। मंच पर एंकर के अलावा तीन और मेहमान। आंख उठाते ही कैमरों के लेंस से टकराती नजरें। सामने प्रदेश की नामी-गिरामी हस्तियों का जमघट। ऐसे में, एंकर सधी आवाज में उनसे मुखातिब होती है- 'आप अपनी जीवन-यात्रा के बारे में कुछ बताइए।' मनीषा बोरा अचकचा जाती हैं। रुंधे हुए से शब्द फूट पड़ते हैं- 'मैं कभी ऐसे माहौल में नहीं आई। मुझे अपनी बात भी अच्छे से कहनी नहीं आती।'

कौन हैं यह मनीषा बोरा? यहां उनकी चर्चा क्यों?

मनीषा बोरा एक उनींदे शहर रुद्रपुर में रहने वाली युवा महिला हैं। वह अपनी बच्चियों के लालन-पालन के लिए घर-घर खाद्य सामग्री पहुंचाने का काम करती हैं। अखबार वालों ने उन्हें 'स्विगी गर्ल' का खिताब दे रखा है। 'हिन्दुस्तान टाइम्स समूह' की पुरानी रीति-नीति है कि उन लोगों को आगे लाया जाए, जिन्होंने अपनी गुरबतों और मुसीबतों से हार माने बिना कुछ नया करने की ठान रखी है। मनीषा को हमने देहरादून में पिछले दिनों आयोजित 'हिन्दुस्तान शिखर समागम' में इसी सदनीयत के साथ बुलाया था।

उनकी अचकचाहट में छिपी ईमानदारी और साफगोई श्रोताओं का दिल छू गई। एंकर के साथ हॉल में मौजूद लोगों की ओर से जोरदार प्रोत्साहन के अल्फाज उभरने लगे। मनीषा ने बोलना शुरू किया, मैंने बचपन में बाइक चलानी सीख ली थी। आज वही मेरे काम आ रही है। काम की तलाश में रुद्रपुर पहुंची, पर परिश्रम और भुगतान का अनुपात बेहद खराब था। किसी ने 'स्विगी' का नाम लिया और मैं उसके साथ जुड़ गई। मैं बिना नागा भोर में उठ जाती हूं। बच्चियों के लिए खाना बनाकर उन्हें तैयार करती हूं और फिर दूसरों का पेट भरने के लिए बाहर निकल पड़ती हूं। काम के सिलसिले में अक्सर पंद्रह किलोमीटर दूर पंतनगर तक जाना पड़ता है। कभी-कभी घर लौटने में आधी रात के आस-पास का वक्त तक हो जाता है।

जो नहीं जानते, उन्हें बता दूं। रुद्रपुर से पंतनगर के बीच राष्ट्रीय राजमार्ग से गुजरना होता है। बड़े-छोटे वाहन हरदम उस पर दौड़ते रहते हैं। उनकी डरावनी गति, अंधा कर देने वाली रोशनी, इंजनों और प्रेशर हॉर्न की कानफोड़ू आवाज के बीच बाइक चलाना जीवट का काम है। कोई आश्चर्य नहीं कि उनके जवाबों के बीच लोग रह-रहकर तालियां बजा उठते थे।

उनके बगल में बैठी कमला देवी की कहानी भी कम प्रेरणादायक नहीं। वह नैनीताल जिले की एक सड़क पर पंक्चर जोड़ने का काम करती हैं।

कमला बिला हिचक बताती हैं कि मैं बहुत पहले बच्चों को पांच रुपये में साइकिल चलाना सिखाती थी, ताकि वे दूर स्थित स्कूलों में पढ़ने जा सकें। कभी उनकी साइकिल पंक्चर हो जाती, तो दस रुपये लेकर उसे दुरुस्त कर देती। यहीं से मुझे प्रेरणा मिली कि मैं अपने पति के साथ पंक्चर जोड़ने का काम करूं। आज वह साइकिल से लेकर ट्रक तक के पंक्चर जोड़ती हैं। आम तौर पर मर्दों के लिए आरक्षित इस काम में आपने शायद ही कोई महिला देखी हो।

एंकर पूछती है कि आप तो सड़क पर बैठती हैं, तमाम तरह के लोग आपसे टकराते होंगे। कुछ ऐसे भी होंगे, जिनका व्यवहार अनुचित होता होगा। उनसे आप कैसे निपटती हैं? वह हंसकर जवाब देती हैं कि पंक्चर जोड़ने के लिए मैं हथौड़ा चलाती हूं और ऐसे लोगों के लिए भी हथौड़ा हमेशा मेरे हाथ में होता है। वे डरकर भाग जाते हैं। बाद में मैंने देखा कि अच्छे से कपड़ों में दो बच्चियां उनके साथ थीं। उन्होंने बताया कि ये मेरी पोतियां हैं। दोनों दिल्ली में केंद्रीय विद्यालय में पढ़ती हैं। मेरा बेटा सशस्त्र सीमा बल में तैनात है।

मनीषा और कमला देवी की बातों से वहां मौजूद लोग कभी हंसे, कभी रोए, तो कभी तालियों से उनका खैरमकदम किया। ये हिन्दुस्तान की वे बेटियां हैं, जो सशक्त और सबल भारत की रचना में जुटी हुई हैं।

क्या इतना काफी है?

यकीनन नहीं। भारत का रिकॉर्ड महिलाओं के मामले में अभी तक उम्मीद के अनुरूप नहीं हो सका है। आधी आबादी पर तरह-तरह के अत्याचार अक्सर सुर्खियां बनते हैं। आधिकारिक आंकड़े भी आशा बंधाने के बजाय निराश करते हैं। ऐसे में, मनीषा, कमला और उन जैसी महिलाएं दीये की भूमिका भले निभाती हों, पर अंधेरा दूर करने के लिए समाज तथा सरकार की और कोशिशों के अनुरोध उभरते रहते थे। गुजरे हफ्ते संसद में 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' पारित कराकर मोदी सरकार ने नई आस जगाई है। प्रमुख विपक्षी दलों ने भी दो दिन पूर्व सरकार से इसकी मांग की थी।

यहां बताना जरूरी है कि गुजरे 27 वर्षों में पांच से अधिक बार पहले भी इस मुद्दे को अमली जामा पहनाने की कोशिश की गई थी, पर हर बार सत्ता पक्ष का कमजोर संख्या बल उसकी सदिच्छा पर भारी साबित होता था। उनकी राह रोकने वाले दल आज भी कुछ संशोधनों की मांग कर रहे हैं, पर अंकगणित उनके पक्ष में नहीं है।

सवाल उठता है कि आम चुनाव से ऐन पहले इस बिल को लाने का मकसद क्या था? क्या प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपनी अगुवाई में नए संसद भवन में कुछ ऐसा करना चाहते थे, जिसका अवसर आजादी के तत्काल बाद पंडित जवाहरलाल नेहरू को कालचक्र ने मुहैया करा दिया था? विपक्ष का आरोप है कि यह चुनावी दांव है। ध्यान रहे, लोकतंत्र में सभी राजनीतिज्ञ और दल चुनाव जीतने के लिए लड़ते हैं, ताकि वे अपने सिद्धांतों को अमली जामा पहना सकें। मौजूदा सरकार ने पिछले चुनाव से पूर्व जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद-370 हटाने का संकल्प लिया था, दोबारा सत्ता में आते ही उसने उसे पूरा कर दिया। इस बार गृह मंत्री अमित शाह ने बहस के दौरान संसद को आश्वासन दिया है कि वर्ष 2024 के तत्काल बाद आवश्यक कार्रवाई कर इस अधिनियम को 2029 से पूर्व अमली जामा पहना दिया जाएगा।

क्या नई दिल्ली की सरकार और भाजपा संगठन अभी से आश्वस्त हैं कि 2024 का आम चुनाव हम जीतने जा रहे हैं? या, पांच वर्ष पूर्व भी हुकूमत के सर्वशकारों ने इसी तरह के बयान दिए थे। यह उनकी चुनावी रणनीति का हिस्सा हो सकता है। वे मतदाताओं को बताना-जताना चाहते हैं कि आने वाला चुनाव हमारे पक्ष में मुनादी कराने जा रहा है, आप किसी और के झांसे में न आएं। विपक्ष इस दांव को समझता है, पर आधी आबादी के हक-हुकूक को सियासत की सांप-सीढ़ी का हिस्सा नहीं मानना चाहिए। इस रुके हुए फैसले को अब और रोकना अनुचित होगा।

प्रधानमंत्री मोदी अगर इस मुद्दे को सिरे तक पहुंचाने में कामयाब रहते हैं, तो तय है कि इसका असर उतना ही दूरगामी होगा, जितना जवाहरलाल नेहरू के दलित और विश्वनाथ प्रताप सिंह के पिछड़ा आरक्षण का हुआ था।

सैकड़ों आंखों को सुनहरे ख्वाब सौंपती एक मां

एलिस थॉमस, सामाजिक कार्यकर्ता

दक्षिण भारत की सबसे खूबसूरत जगहों में एक पुडुचेरी अपनी नैसर्गिक सुंदरता के कारण सबसे अलग है, मगर हरेक वैभव के साथ यह विडंबना जुड़ी होती है कि उसकी तलछट में तमाम कुरूपताएं जड़ें जमाए बैठी होती हैं। दुर्योग से इन कुरूपताओं के लिए जिम्मेदार भी हम इंसान ही हैं और इनको दूर करने का दायित्व भी मनुष्यों पर ही है। कहने वाले कहेंगे कि एलिस थॉमस अपना मानव धर्म निबाह रही हैं, मगर यह धर्म उन्हें आम मनुष्य के स्तर से ऊपर उठा देता है।

आज से 33 साल पहले की बात है, एलिस तब 21 की रही होंगी। उनके दादा शहर के बड़े वकीलों में गिने जाते थे। एलिस भी उन्हीं की तरह एक कामयाब अधिवक्ता बनना चाहती थीं। जाहिर है, यह वह उम्र थी, जब जिंदगी किसी इंसान के आगे उसके सबसे हसीन ख्वाब परोसती है; हर नौजवान में अपनी क्षमताओं से कई गुना अधिक चाहने का जज्बा ठांठें मारता है, मगर एलिस को शायद नियति ने खास मकसद के लिए चुना था। एक शाम वह अपने मित्र के घर जा रही थीं। मित्र के घर से चंद कदम पहले सड़क पर एक दस साल के मासूम को बिलखते देखकर उनके कदम ठिठक गए। उस छोटे बच्चे की आंखों में पसरे सूनेपन को देख वह व्याकुल हो उठीं। दर-दर भीख मांगने वाला वह बच्चा पिता से बुरी तरह पिटकर आया था, क्योंकि पिछली शाम वह भीख में इतने पैसे नहीं जुटा सका था, जिससे उनकी शराब व भोजन की जरूरतें पूरी हो सकें।

एक पिता की क्रूर अपेक्षा, एक किशोर का दारुण दुख और एक युवती के करुण हृदय का वह योग पुडुचेरी के अनेक बदनसीबों के कल्याण का आधार बन जाएगा, इनमें से किसी को कहां पता था! मगर उस बच्चे की तड़प ने एलिस को अपने तमाम हसीन सपनों को छोड़कर जिंदगी को एक नया अर्थ देने के लिए प्रेरित किया। एलिस ने उस मासूम से कहा कि वह उसे खाना भी खिलाएंगी और पढ़ाएंगी भी, क्या वह उनके साथ चलेगा? बच्चे के सारे कष्ट मिट रहे थे, वह इनकार क्यों करता? बस मां को इस बाबत बता देना चाहता था। अपने मित्र को साथ लेकर एलिस उस बच्चे के घर पहुंचीं। बेटे को देखते ही मां ने उससे पूछा, खाने को कुछ लाए? बच्चे ने इनकार में सिर हिलाया और फिर उस पर जैसे लात-घूसों की बरसात हो गई। एलिस स्तब्ध थीं। कोई मां इतनी निर्मम कैसे हो सकती है? ऐसे अभिभावकों से एलिस क्या बात करतीं! बच्चे ने लगभग रिरियाते हुए उनसे कहा था, दीदी, पारसी युवती भी अलग भाग्य रेखाओं के साथ जन्मी थीं। उनके पति नामी वकील थे, अंग्रेजों पर लट्टू रहा करते थे। घर में अक्सर झगड़ा पसर जाता था। वह पूरे साहस से पति को कह देती थीं कि अंग्रेजों की सिर्फवाह-वाह मत किया करो, यह भी देखो कि उनकी वजह से भारत में कितने लोग आह-आह किए मर रहे हैं। पति समझने को तैयार न थे, अंग्रेजों की तारीफ में लहालोट रहते थे। दूसरी ओर, पत्नी को यह मंजूर नहीं था कि अंग्रेजों की तारीफकी

जाए। वह अक्सर सोचने लगती थीं कि गुलाम देश में औरतों की स्थिति तो और भी खराब है, कैसे सुधरेंगे हालात? उन्होंने खुद को समाजसेवा में लगा दिया, तो पति से झगड़ा और बढ़ गया। कहा गया कि घर-बार संभालो, समाजसेवा कोई महिलाओं का काम थोड़ी है। उन्हीं दिनों मुंबई में भयानक प्लेग फैला, तो उन्होंने खुद को लाचार मरीजों की सेवा में झोंक दिया। उन्हें भी प्लेग हुआ, मुश्किल से जान बची, पर शरीर था कि कमजोरी, चिंता और दुख से गलता जा रहा था। ऐसे में, पति की ओर से तो प्यार बढ़ना चाहिए था, पर नफरत बढ़ती चली जा रही थी। एक दिन कुछ ज्यादा ही झगड़ा हुआ, तो मन टूट गया। दूसरी कोई महिला होती, तो पति और हालात से समझौता कर लेती, अपने अधिकार छोड़ देती, पर उन्होंने परदेश जाने का फैसला कर लिया। यह फैसला निर्णायक साबित हुआ। पहले रोज-रोज के झगड़े और तनाव से आजादी जरूरी थी। वह लंदन पहुंच गईं। वहां कुछ स्वास्थ्य लाभ के बाद राष्ट्रवादी नेताओं से मेलजोल बढ़ाया। उनके मन-मस्तिष्क में हर पल देश के प्रति प्यार उमड़ता था कि आखिर मेरा देश कैसे जल्दी आजाद होगा। लंदन में लोग उन्हें जानने लगे थे। चर्चा करने लगे थे कि यह विदुषी महिला भीकाजी कामा जब भी बोलती हैं, जोश, जुनून से भर देती हैं। गुलामी के खिलाफ वह इतना तीखा बोलने लगीं कि अंग्रेजों ने कह दिया, भारत लौटना है, तो ब्रिटिश शासन के प्रति वफादार रहने का शपथपत्र जमा करो। भीकाजी कामा ने सिरे से मना कर दिया और देश की आजादी के लिए ज्यादा सक्रिय हो गईं। अंग्रेजों ने ज्यादा परेशान किया, तो वह पेरिस चली गईं। पेरिस में भी उन पर पाबंदियां लगीं, पर वह झुकी नहीं।

आज मैडम भीकाजी कामा का नाम इतिहास में ऐसी महिला के रूप में दर्ज है, जिसने पहली बार विदेशी धरती पर भारतीय ध्वज फहराया था। 18 अगस्त, 1907 को स्टटगार्ट, जर्मनी में समाजवादियों की सभा में उन्होंने ध्वज फहराकर भारत की गरीबी, भुखमरी, उत्पीड़न और गुलामी के खिलाफ ऐसा भाषण दिया था कि सभा में आया हर शख्स भारतीय ध्वज को सलामी देने के लिए खड़ा हो गया था। आठ कमल, वंदे मातरम, चांद, सूरज, हरे, भगवा और लाल रंग से लैस वह ध्वज आज भी भारतीय स्वतंत्रता संग्राम की महागाथा में अपनी जगह पर शान से लहरा रहा है।

भारत में लोग अचंभित थे कि एक महिला ने गोरों के बीच खड़े होकर आजादी के लिए बिगुल बजा दिया है। एहसास हुआ कि महिलाएं किसी बात में कम नहीं होतीं। 24 सितंबर को जन्मी मैडम भीकाजी कामा (1861-1936) ने सबको चेताया कि राष्ट्र निर्माण में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका को मत भूलो। 1910 में मिस्र के काहिरा में एक सभा में सिर्फ पुरुषों को देख उन्होंने पूछा था, 'मिस्र का दूसरा आधा भाग कहां है? मैं सिर्फ पुरुषों को देख रही हूं, जो आधे देश का प्रतिनिधित्व करते हैं! माताएं कहां हैं? बहनें कहां हैं? आपको नहीं भूलना चाहिए कि जो हाथ पालना बनाते हैं, वही हाथ इंसान भी बनाते हैं।'

अफसोस, अंग्रेजों ने उन्हें भारत की धरती पर तभी लौटने दिया, जब वह गंभीर रूप से बीमार पड़ गईं। उनकी दिली तमन्ना थी कि सांस चलते एक बार भारत भूमि का स्पर्श हो जाए, वह 33 साल विदेश-वास झेलने के बाद लौटीं। इसी भूमि पर उन्होंने अपना सबकुछ कन्या अनाथालय के लिए दान कर दिया और दुनिया से चली गईं। आजाद भारत को लेकर वह बहुत आशावान थीं। वह महिलाओं को सदा आश्वस्त करती थीं कि चिंता मत करो, पहले देश की आजादी के लिए लड़ो। एक देश बनेगा, जिसमें महिलाओं को बराबरी के सारे हक हासिल होंगे।

प्रस्तुति : ज्ञानेश उपाध्याय

हमें जरूर मिलेंगे बराबरी के हक

भीकाजी कामा, स्वतंत्रता सेनानी

वह अबला नारियों का दौर था। क्या मजाल कि कोई महिला सिर उठाकर अपनी मर्जी चला ले? बचपन में पिता के पीछे, जवानी में पति के साये में और बुढ़ापे में पुत्र के अधीन ही चुपचाप संतोष किए चलने का रिवाज था। वंशावलियों से भी उनके नाम हटा दिए जाते थे। एक बड़े कवि ने कहा भी है कि अबला जीवन हाय तुम्हारी यही कहानी, आंचल में है दूध और आंखों में पानी...।

हालांकि, तब भी कोई लड़की ऐसी हो जाती थी, जो हथेली पर अलग लकीरें लिए पैदा होती थी और पुरुषों से अलग बड़ी लकीर खींचकर दिखा देती थी। शायद वह

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करे:-
9827806026,
7869620239

Sargam
Musicals
Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair
DURG:- Near Tarun Adlabs Station Road, Durg (C.G.) Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:- Near Manju Mamta Reaustaurant, M.G. Road Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z
CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बैंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

श्रीकंचनपथ

छत्तीसगढ़

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com
WWW.ONLYTDS.COM

खास खबर

नवीन जिले में प्रथम क्लब फुट का सफल उपचार

मनेन्द्रगढ़। मनेंद्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मनेंद्रगढ़ में आरबीएस के टीम के द्वारा लाए गए जन्मजात विकृत बच्चे जो कि क्लब फुट नाम की बीमारी से ग्रसित था। क्लब फुट का हिंदी में अर्थ है - जन्म से पैर अंदर की ओर मुड़ा होना। इसे टेलिप्स भी कहा जाता है। यह जन्म दोष एक या दोनों पैरों को प्रभावित कर सकता है। यह मामला जनपद पंचायत जनकपुर के ग्राम च्यूल के एक गरीब परिवार का था। उसका सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मनेंद्रगढ़ में डॉ. प्रकाश जायसवाल एवं उनके सहयोगी द्वारा सफलतापूर्वक उपचार कर प्लास्टर लगाया गया। संभवत उससे बच्चों को एक नई जीवन मिला। जिससे वह भविष्य में आम जीवन व्यतीत कर सकेगा। यह इस नवीन जिला के लिए एक प्रारंभिक उपलब्धि है। भविष्य में इस तरह के मामलों को और अधिक गंभीरता से करने का लक्ष्य भी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एस एस सिंह द्वारा निर्देशित किया गया। जिला कार्यक्रम प्रबंधक से सुलेमान खान द्वारा अपने अधिकारियों एवं कर्मचारियो को अवगत कराया गया है, कि इस तरह के कोई भी मामला यदि हमारे जिला में आता है तो संबंधित कर्मचारी तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मनेंद्रगढ़ में लाए एवं प्रशिक्षण कर उनका उपचार करवाए।

विधानसभा निर्वाचन के दौरान वीडियोग्राफी कार्य हेतु निविदा 5 अक्टूबर तक आमंत्रित

जांजगीर-चांपा। वित्तीय वर्ष 2023-24 अंतर्गत विधानसभा आगमी आम निर्वाचन 2023 के लिए जांजगीर-चांपा जिले के अंतर्गत विधानसभा क्षेत्रों में प्रशिक्षण, उड़नदस्ता दल, स्थैतिक निगरानी दल, नामांकन कार्यवाही, सामग्री वितरण एवं वापसी केन्द्र, मतदान केन्द्र, मतगणना स्थल एवं अन्य निर्वाचन संबंधी कार्यों में वीडियोग्राफी किए जाने हेतु पंजीकृत तथा अनुभवी संस्थाओं, फर्मों से प्रति 8 घंटे प्रति कैमरा प्रति दिन के दर निर्धारण के लिए निविदा आमंत्रित की गई है।

निविदा प्रपत्र प्राप्त करने की अंतिम तिथि 5 अक्टूबर 2023 को अपरान्ह 2 बजे तक, निविदा प्रपत्र जमा करने की अंतिम तिथि 5 अक्टूबर को अपरान्ह 3 बजे तक और निविदा खोलने की तिथि 5 अक्टूबर को अपरान्ह 4 बजे तक निर्धारित है। निविदा प्रपत्र जिला निर्वाचन कार्यालय (सामान्य निर्वाचन) जांजगीर चाम्पा के लेखा शाखा से 500 (पांच सौ रुपये मात्र) नगद राशि जमा कर अथवा चालान द्वारा शुल्क जमा कर 05 अक्टूबर 2023 तक कार्यालयीन समय में प्राप्त कर सकते है।

पीएम मोदी 30 को बिलासपुर व 3 अक्टूबर को आएंगे जगदलपुर

रायपुर (ए)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 30 सितंबर को बिलासपुर और तीन अक्टूबर को जगदलपुर आएंगे। चुनावी वर्ष में मोदी तीन महीने के भीतर प्रदेश में क्रमश: तीसरी व चौथी सभा लेंगे। राजनीतिक प्रेक्षकों की मानें तो प्रधानमंत्री का यह प्रवास छत्तीसगढ़ भाजपा के लिए संजीवनी बूटी से कम नहीं है। एक तरफ दंतेवाड़ा से 12 सितंबर और जशपुर से 15 सितंबर को शुरू हुई भाजपा की परिवर्तन यात्रा से भाजपाइयों का मनोबल बढ़ा हुआ है। वहीं अब प्रधानमंत्री बिलासपुर में परिवर्तन यात्रा के समापन के मौके पर भाजपा कार्यकर्ताओं में जोश भरेंगे। मोदी मिशन-2023 के चुनावी रण में 90 विधानसभा सीटों पर जीत के लिए उनका हौसला बढ़ाएंगे। पीएम के दौरे से बिलासपुर के साथ बस्तर को साधने की रणनीति गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ का सबसे बड़ा संभाग बिलासपुर है। जहां आठ जिलों में 24 विधानसभा सीट आती हैं। इस इलाके में सभी राजनीतिक पार्टियां जोर लगा रही हैं।

जीत-हार की चिंता किए बिना खिलाड़ियों को खेल भावना से खेलना चाहिएः मंत्री अमरजीत भगत

23वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा स्पर्धा शुरू, 390 खिलाड़ी कर रहे है शिरकत

श्रीकंचनपथ न्यूज

अम्बिकापुर। खाद्य और संस्कृति मंत्री अमरजीत भगत ने सरगुजा जिले के अम्बिकापुर में स्थित शासकीय बहुउद्देशीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मैदान में चार दिवसीय 23वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। राज्य स्तरीय स्पर्धा में सभी सम्भाग से आए खिलाड़ियों द्वारा अपने जिले का प्रतिनिधित्व करते हुए मार्चपास्ट किया गया, ततपश्चात खेल भावना के साथ खेल खेलने की शपथ ली गई।

मंत्री भगत ने इस मौके पर कहा कि जीत-हार की चिंता किए बिना खिलाड़ियों को खेल भावना से खेलना चाहिए। छत्तीसगढ़ शासन खेलों के प्रति बेहद सजग है जिससे प्रतिभाओं को मौका मिल रहा है। लोक खेलों को पुनर्जीवित करने छत्तीसगढ़िया ओलंपिक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

प्रतियोगिता में राज्य के पांचों संभाग दुर्ग, रायपुर, बस्तर बिलासपुर और सरगुजा संभाग के खिलाड़ी शामिल हिस्सा ले रहे है। प्रत्येक संभाग से 78 खिलाड़ी अर्थात कुल 390 खिलाड़ी प्रतियोगिता में हिस्सा ले रहे हैं। संभाग स्तरीय खेल के विजेता खिलाड़ी राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में प्रदेश का प्रतिनिधित्व करेंगे।

इस अवसर पर सीजीएमएससी के अध्यक्ष एवं लुण्ड्रा विधायक डॉ. प्रीतम राम, जिला पंचायत अध्यक्ष मधु सिंह, बीस सूत्रीय कार्यान्वयन कार्यक्रम के उपाध्यक्ष अजय अग्रवाल, जिला पंचायत सदस्य राकेश गुप्ता एवं कलेक्टर कुन्दन कुमार, तेलघानी विकास बोर्ड के सदस्य लक्ष्मी गुप्ता, खाद्य संरक्षण एवं नागरिक आपूर्ति आयोग के सदस्य अभिषेक सिंह, नगर निगम आयुक्त अभिषेक कुमार सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि, सभी संभाग से आए खिलाड़ी उपस्थित थे।

डेयरी संचालन से समूह की महिलाएं बनी सक्षम उद्यमी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। दूरस्थ क्षेत्रों के महिलाएं, पशुपालक आज आजीविका से जुड़कर सशक्त हो रही है। उन्हें गांव में ही रोजगार मिलने से महिलाओं ने खुशी जाहिर की। बलरामपुर जिले के वाड्रफनगर और राजपुर में स्व सहायता समूह की महिलाएं डेयरी व्यवसाय से जुड़कर दूध उत्पादन का कार्य कर रही हैं। इसका सीधा लाभ आस पास के सभी पशुपालकों को हो रहा है। रीपा के तहत दूध इकाई स्थापित होने से महिला उघमिता को बढ़ावा मिल रहा है। वर्तमान में दो समूह में महिलाएं मिलकर दूधवाला नाम से डेयरी संचालन कर रही हैं। महिलाओं ने बताया कि गांव के आस पास के पशुपालकों से दूध खरीदकर दूध तथा दूध से निर्मित खाघ पदार्थों का विक्रय कर रही हैं। महिलाओं और पशुपालकों को बाजार मिलने से उनकी आय मे वृद्धि हो रही है।

समूह की 70 महिलाओं को मिला रोजगार

योजना के शुरुआती चरण में वाड्रफनगर और राजपुर में दूध संग्रहण केंद्र खोले गए है, जिसमें विभिन्न समूह की 70 महिलाएं दूध संग्रहण और वितरण का कार्य कर रही हैं। समूह की महिलाओं के द्वारा आस-पास के 10 गावों के 76 पशुपालकों से लगभग 152 लीटर दूध की खरीदी नियमित रूप से की जा रही है। समूह की महिलाओं द्वारा नगरीय क्षेत्र के 136 उपभोक्ताओं को प्रतिदिन बिहान मार्ट के द्वारा दूध का विक्रय किया जा रहा है। साथ ही बचे हुए दूध से समूह की महिलाएं विभिन्न प्रकार के मिठाईयां तैयार कर रहीं हैं। इस योजना की शुरुआत से अब तक दोनों केंद्रों के द्वारा लगभग 05 लाख 70 हजार की दूध की खरीदी की गई है, तथा 05 लाख 64 हजार की बिक्री की जा चुकी है। साथ ही बचे हुए दूध से मिठाइयों का निर्माण कर उन्हें बेचकर अतिरिक्त लाभ प्राप्त कर चुकी हैं। सदाबहार समूह की सदस्य मीना बताती है कि महिलाओं को मिलाकर एक उत्पादक समूह का गठन किया गया है, जिसका सदाबहार उत्पादक समूह रखा गया है।

रीपा में स्थित तेल मिल प्रोसेसिंग यूनिट से समूह की महिलाएं हो रही हैं सशक्त

श्रीकंचनपथ न्यूज

नारायणपुर । छत्तीसगढ़ सरकार की महत्वाकांक्षी योजना के अंतर्गत बने गौठानों में संचालित किए जा रहे रूरल इंडस्ट्रियल पार्क (रीपा) से ग्रामीणों एवं महिलाओं की जिन्दगी संवर रही है। रीपा से आत्मनिर्भर बनाने के प्रयास के सकारात्मक और बेहतर परिणाम सामने आने लगे हैं। ग्रामीण और महिलाएं अब खुद हुनरमंद होकर छोटे-छोटे रोजगार के जरिए स्वावलंबी बनने की ओर अग्रसर होने लगे हैं।

नारायणपुर जिले के ग्राम पंचायत कोलियारी (नेतानार) के रीपा में वहां की महिलाओं द्वारा तेल मिल प्रोसेसिंग यूनिट स्थापित किया गया है। जिसमें बजरंगी स्व-सहायता समूह की 10 सदस्यों को रीपा से जोड़कर तेल मिल प्रोसेसिंग यूनिट में प्रोसेसिंग एवं पैकेजिंग संबंधित प्रशिक्षण दिया गया है। प्रशिक्षण के उपरान्त बजरंगी स्व-सहायता के समूह के द्वारा आसपास के किसानों से तिलहन फसल खरीद कर उसे प्रोसेसिंग एवं पैकेजिंग कर बाजार में बड़ी मात्रा में बिक्री किया जा रहा है। तेल की उत्तम गुणवत्ता के कारण दिनों-दिन इसकी मांग बाजार में बढ़ती जा रही है। समूह द्वारा अब तक 600 लीटर तेल की पैकिंग की जा चुकी है, जिसकी कीमत प्रति लीटर 250 रुपये है। समूह के द्वारा अब तक 1 लाख 50 हजार रुपये तक के तेल की बिक्री की जा चुकी है। पहले समूह के सदस्य माह में एक से 15 सौ रुपये ही कमा पाते थे, लेकिन आज प्रत्येक सदस्य की मासिक आय 6 हजार रुपये तक हो गई है। इस समूह को वर्तमान में लगभग 10 लाख रुपये तक के तेल का आर्डर मिल चुका है। बजरंगी समूह की महिलाओं का कहना है कि तेल प्रोसेसिंग यूनिट कार्य के साथ-साथ हम अपने घर के कृषि कार्य व मनरेगा का भी काम करती हैं। उन्होंने कहा कि इस कार्य को करते हुये हमें बहुत खुशी हो रही है, क्योंकि अच्छी आमदनी प्राप्त होने से परिवार के भरण-पोषण में सहयोग मिल रही है।

गौरतलब है कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने 2 अक्टूबर 2022 गांधी जयंती के दिन महात्मा गांधी रूरल इंडस्ट्रियल पार्क योजना रीपा का शुभारंभ किया था। योजना के अंतर्गत प्रथम चरण में 300 रूरल इंडस्ट्रियल पार्क विकसित किए जा रहे हैं। इन पार्कों के विकास के लिए राज्य सरकार ने 600 करोड़ रुपए का बजट प्रावधान किया है। प्रत्येक रीपा के विकास के लिए दो करोड़ रुपए आबंटित किए गए। योजना के अंतर्गत गौठानों को महात्मा गांधीरूरल इंडस्ट्रियल पार्क से जोड़ने से ग्रामीण क्षेत्रों के परिवारों की आय में वृद्धि हो रही है। ग्रामीणों को आय में वृद्धि करने के नए स्त्रोत मिल पा रहे है जिससे वे आर्थिक रूप से मजबूत हो रहे हैं। गांव में उद्यमिता को बढ़ावा मिलने से स्थानीय स्तर पर बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन हो रहे हैं, जिससे लोगों को अब रोजी मजदूरी के लिए बाहर नहीं जाना पड़ता।

जिले के सभी ब्लाको में पशुओं के उपचार हेतु मोबाईल वेटनरी वाहन रहेगा उपलब्ध

श्रीकंचनपथ न्यूज

बीजापुर। बीजापुर जिले में मोबाइल वेटनरी यूनिट का शुभारंभ बेनहूर रावतिया ,अध्यक्ष नगर पालिका परिषद के द्वारा किया गया, उन्होने हरी झंडी दिखाकर चार ब्लाक में मोबाइल वेटनरी यूनिट की गाड़ी रवाना किया। जिले में पशुओं की स्वास्थ्य हेतु शासन द्वारा मोबाइल वेटनरी यूनिट की शुरूआत हुई है। जो कि सर्विस प्रोवाईडर के माध्यम से संचालित है संचालन का समय प्रात: 08:00 से शाम 4 बजे तक होगा इनका उद्देश्य गौठान ग्रामों में वेटनरी सेवा प्रदाय करना है। मोबाइल वेटनरी यूनिट प्रतिदिन प्रत्येक विकासखण्ड के दो गौठानों में चिकित्सा शिविर का आयोजन करेंगे , राज्य स्तर पर काल सेंटर (टोल फ्री नम्बर 1962) की स्थापना की गई है। जिसमें कोई भी पशु-पालक पशुओं के स्वास्थ्य संबंधित सहायता प्राप्त कर सकता है। मोबाइल वेटनरी यूनिट के शुभारंभ के दौरान पशुधन विकास विभाग से उप संचालक डॉ. एसएस राजपुत , डॉ. करनम शिवशंकर ,डॉ. मिथिलेश उप्पल, एन. समरथ एवं विभाग के अन्य लोग मौजूद थे।

मोबाईल वेटनरी यूनिट वाहन को नगरपालिका अध्यक्ष ने हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

चला संगी वोट देहे जाबो मानव श्रृंखला बनाकर किया मतदाता जागरूक

अकादमिक हाइट्स पब्लिक स्कूल में मनाया गया स्वीप कार्यक्रम

श्रीकंचनपथ न्यूज

मनेन्द्रगढ़। विधानसभा निर्वाचन 2023 को ध्यान में रखते हुए मतदाताओं को मताधिकार के महत्व को बताने, जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलेक्टर नरेन्द्र कुमार दुग्गा की उपस्थिति में स्वीप कार्यक्रम का आयोजन अकादमिक हाइट्स पब्लिक स्कूल तेन्दूडांड झगराखाड़ मनेन्द्रगढ़ में किया गया। कार्यक्रम में अकादमिक हाइट्स पब्लिक स्कूल तेन्दूडांड के सैकड़ों बच्चों ने भाग लेकर चला संगी वोट देहे जाबों मानव श्रृंखला बनाकर एवं मतदाता जागरूकता के नारे लगाकर शत प्रतिशत मतदान के लिए प्रेरित किया। स्कूल के बच्चों को जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलेक्टर नरेन्द्र कुमार दुग्गा ने कहा प्रजातांत्रिक व्यवस्था में मताधिकार एवं शत प्रतिशत मतदान का बहुत ही महत्व है। हम सबको मिलकर मतदाता जागरूकता अभियान के माध्यम से अपने परिवार के साथ-साथ सभी नगरवासियों को मतदान के लिए प्रेरित करना है, मताधिकार एवं मत की वैल्यू को बताना है। कलेक्टर ने बच्चों को बताया कि निर्वाचन में जिसे हम मतदाता भी कहते हैं। यह मतदाता ही है, जो लोकतंत्र का भविष्य तय करते है। इसलिए देश का हर एक नागरिक जब मत देने के लिए जाता है तो उसे एक जागरूक मतदाता की तरह अपना वोट देना चाहिए। देश के युवा ही देश की धड़कन होते हैं। उनके बिना भारत के सुनहरे भविष्य की कल्पना नहीं की जा सकती है। भारत निर्वाचन आयोग की हमेशा यही कोशिश रहती हैं कि देश के सबसे बड़े लोकतंत्र के इस पर्व जिसे हम चुनाव कहते हैं। उसमें हिस्सा लें और एक जागरूक मतदाता बनकर निर्वाचन में अपनी सहभागिता निभाये। तभी वह देश विकास करेगा। सैकड़ों छात्रों ने कलेक्टर के नेतृत्व में मानव श्रृंखला का निर्माण कर स्कूल के गुरूजनों एवं परिवार जनों को मतदान का संदेश दिया, इस दौरान सभी को जिला कलेक्टर के द्वारा शपथ भी दिलाया गया।

ॐ साई राम
माँ पुस्तक भंडार
होलसेल में कापी-किताब एवं स्टेशनरी सामान मिलने का एक मात्र स्थान
पुरानी एवं नई पुस्तकें खरीदी व बेची जाती है
रावणभाटा, सुपेला, भिलाई (छ.ग.)
मो. 7489051024, 7770845578

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

Premier sales 8959493000
A Leela Electronics 9425507772
Reena Electronics 9329132299
Shree Electronics 7000827361
CONTACT
Maa Durga Electronics 9827183839
Rohit Electronics 94242-02866
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर...

शहर की सड़कों की मरम्मत का काम 30 सितंबर तक पूरा करें: कलेक्टर

रायपुर (ए)। शहर की सड़कों की दुरूस्ती के लिए कलेक्टर डॉ. सर्वेश्वर नरेंद्र भुरे ने निगम अधिकारियों को सख्त निर्देश दिये हैं। कलेक्टर ने कहा है कि नागरिक सुविधाओं को देखते हुए सड़कों की मरम्मत एक सप्ताह के भीतर हो जानी चाहिए। इसमें युद्ध स्तर पर कार्य करें। साथ ही नागरिक सुविधाओं से जुड़े हुए सभी कार्यों के लिए जोन कमिश्नर सुबह वार्डों में भ्रमण करें। लोगों की समस्या सुने और अविलंब उनका समाधान करें। यह निर्देश उन्होंने रेडक्रास सभाकक्ष में हुई बैठक में दिये। कलेक्टर ने कहा कि नगर निगम के सभी वार्डों की सड़कों में जो गड्ढे है उनकी तत्काल मरम्मत कराएं और पेच वर्क करें। डॉ. भुरे ने शहर के विभिन्न सड़कों में 30 सितम्बर तक सुधार करने के लिए सख्त निर्देश दिए।

कलेक्टर ने कहा कि सभी जोन कमिश्नर उनके अंतर्गत आने वाले वार्डों की सड़कों का स्वयं निरीक्षण करें। गणेश विसर्जन के समय जिन-जिन रास्तों से गणेश की झांकियां निकलेगी उन रास्तों को अनिवार्य रूप से सुधार करें ताकि झांकी निकलने के दौरान समितियों को परेशानी ना हो। उन्होंने कहा कि जिन तालाबों तथा नदियों में गणेश विसर्जन होना है उनकी तथा उनमें कुंड की साफ-सफाई कराएं तथा विसर्जन के लिए अन्य संसाधन सहित सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करें। साथ ही शहर के विभिन्न हिस्सों में स्थित तालाबों की साफ-सुथरा रखें। डॉ. भुरे ने कहा कि शहर की साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखें। प्रतिदिन साफ-सफाई व्यवस्था की निगरानी करें। चौक-चौराहे में साफ-सुथरा रखे। पानी कचरा इत्यादि का जमाव ना हाने दे। उन्होंने कहा कि खराब स्ट्रीट लाईट की मरम्मत करें। बिजली की आपुर्ति सुचारू रूप से बने रहे। राजीव गांधी आश्रय योजना के तहत जल्द से जल्द पट्टा वितरण पूर्ण करें। विभिन्न चौक-चौराहों में स्थित महापुरुषों की प्रतिमा का साफ-सुथरा रखते हुए उनका विशेष ध्यान रखें।

राजीव भवन में प्रदेश चुनाव अभियान समिति की बैठक 26 को

रायपुर (ए)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव एवं छत्तीसगढ़ प्रभारी कुमारी सैलजा, मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, उप मुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज एवं प्रदेश चुनाव अभियान समिति के अध्यक्ष डॉ. चरणदास महंत की उपस्थिति में 26 सितंबर को शाम 4 बजे से प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय राजीव भवन रायपुर में प्रदेश चुनाव अभियान समिति की अति महत्वपूर्ण बैठक रखा गया है। बैठक में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सचिव एवं प्रभारी सचिवद्वय डॉ. चंदन यादव, सप्तगिरी शंकर उल्का, संयुक्त सचिव विजय जांगिड़ उपस्थित रहेंगे।

ऊर्जा संरक्षण के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए छत्तीसगढ़ को मिला एक और राष्ट्रीय पुरस्कार

बहुआयामी जागरूकता कार्यशाला के आयोजन और ऊर्जा दक्ष उपकरणों के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए मिला पुरस्कार

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने क्रेड़ा की टीम और प्रदेशवासियों को दी बधाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य अक्षय ऊर्जा विकास अभिकरण (क्रेडा) को नई दिल्ली में आयोजित समारोह में ऊर्जा संरक्षण के क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर पर सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए स्टार परफॉर्मेंस अवार्ड से पुरस्कृत किया गया। सोसाईटी ऑफ एनर्जी इजीनियर्स एण्ड मैनेजर्स - सीम द्वारा 21 सितम्बर को आयोजित 8वें नेशनल एनर्जी मैनेजमेंट अवार्ड समारोह में यह सम्मान दिया गया। आलोक कटियार, मुख्य कार्यपालन अधिकारी, छत्तीसगढ़ राज्य अक्षय ऊर्जा विकास अभिकरण (क्रेडा) द्वारा उक्त पुरस्कार को डॉ. अशोक कुमार, उप महानिदेशक, ऊर्जा दक्षता ब्यूरों, (बी.ई.ई.) भारत सरकार के उपस्थिति में प्राप्त किया गया। इस समारोह में क्रेडा की ओर से संजीव जैन, मुख्य अभियंता एवं राजीव ज्ञानी, अधीक्षण अभियंता भी उपस्थित रहें। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने इस पुरस्कार के लिए क्रेडा की टीम और प्रदेशवासियों को बधाई दी है।

कृषि क्षेत्र में किसानों को ऊर्जा संरक्षण के विषय में क्रेडा द्वारा बहुआयामी जागरूकता कार्यशाला आयोजित किये गये है। जिसके तहत ऊर्जा दक्ष पंप के उपयोग से होने वाले ऊर्जा एवं पैसे के बचत के विषय पर राज्य के समस्त कृषि विज्ञान केन्द्रों में किसानों को जागरूक किया गया है। प्रदेश के शासकीय कार्यालय एवं संस्थानों ऊर्जा दक्ष उपकरणों के उपयोग को बढ़ावा देने हेतु क्रेडा द्वारा सतत् प्रयास किये जा रहे है जिससे विद्युत खपत में कमी लाई जा सकें।

ग्रामीण क्षेत्र में ऊर्जा दक्ष उपकरणों को बढ़ावा देने कुल 77 ग्रामों को मॉडल ऊर्जा दक्ष ग्रामों में किया गया विकसित

ग्रामीण क्षेत्र में ऊर्जा दक्ष उपकरणों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कुल 77 ग्रामों को मॉडल ऊर्जा दक्ष ग्रामों में विकसित किया गया है। इसी तरह 56 स्वास्थ्य केन्द्रों को मॉडल ऊर्जा दक्ष स्वास्थ्य केन्द्र एवं 376 शासकीय स्कूलों को मॉडल ऊर्जा दक्ष शासकीय स्कूलों के रूप में विकसित किया गया है। स्कूली छात्र छात्राओं को ऊर्जा संरक्षण के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से क्रेडा द्वारा कुल 603 स्कूलों में ऊर्जा क्लब का गठन किया गया है तथा आगामी वर्ष में 1 हजार से भी अधिक शैक्षणिक संस्थानों में ऊर्जा क्लब गठन किये जाने का लक्ष्य है।

'छत्तीसगढ़ राज्य अक्षय ऊर्जा विकास अभिकरण (क्रेडा)'' लगातार तीसरी बार पुरस्कृत

उल्लेखनीय है कि लगातार 03 वर्षों (वर्ष 2020, 2021 एवं 2022) से क्रेडा को सीम द्वारा ऊर्जा संरक्षण के क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले राज्य नामित एजेंसी के रूप में राष्ट्रीय पुरस्कार से स□मानित किया गया है। 'छ□ीसगढ़ राज्य अक्षय ऊर्जा विकास अभिकरण (क्रेडा)' द्वारा विगत 11 वर्षों में प्रदेश में ऊर्जा संरक्षण एवं ऊर्जा दक्षता के क्षेत्र में महत्वपूर्ण उपल□धियां हासिल की गई है। □यूरो ऑफएनर्जी एफिसिएंसी, भारत सरकार की परियोजना के अंतर्गत प्रथम एवं द्वितीय चरण में कुल 44 औद्योगिक संस्थानों द्वारा प्रदेश में लगभग 2.198 मिलियन टन ऑफ ऑयल इक्वीवेलेंट ऊर्जा की बचत कर लगभग 6.67 मिलियन टन का कार्बन उत्सर्जन कम किया गया है। इस परियोजना के तहत प्रदेश के उद्योगों को कुल दस लाख से भी अधिक एनर्जी सेविंग सर्टिफिकेट □यूरो ऑफ एनर्जी एफिसिएंसी के माध्यम से प्राप्त हुए हैं। व्यावसायिक भवन क्षेत्र में ऊर्जा संरक्षण को बढ़ावा दिये जाने हेतु राज्य शासन द्वारा छ□ीसगढ़ ऊर्जा संरक्षण भवन संहिता अधिसूचित किया गया है तथा राज्य में कुल 15 भवनों को ग्रीन भवन के रूप में प्रमाणित किया गया है तथा 8 शासकीय भवनों को स्टार रेटिंग नामित करने हेतु प्रस्ताव केन्द्र शासन को अग्रेषित किया गया है। आवासीय भवनों में इको निवास सहिता अंतर्गत ऊर्जा दक्ष भवन निर्माण तकनीक अपनाने हेतु प्रदेश के आवासीय परियोजनाओं ऊर्जा दक्ष बनाने हेतु सतत् कार्य किया जा रहा है। इसी क्रम में क्रेडा द्वारा 150 से ज्यादा जागरूकता कार्यक्रम इंजीनियर्स एवं आर्कीटे□ट हेतु आयोजित किया गये है।

राज्य सरकार छत्तीसगढ़ की संस्कृति और परंपरा को आगे बढ़ाने कर रही है काम: मंत्री डॉ. शिवकुमार डहरिया

नगरीय प्रशासन मंत्री छत्तीसगढ़ राजभाषा आयोग के सातवें प्रातीय सम्मेलन में हुए शामिल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। नगरीय प्रशासन मंत्री डॉ. शिवकुमार डहरिया ने कहा कि छत्तीसगढ़ के ज्यादातर क्षेत्रों में हम सबका प्रारंभिक परिचय अपने माता की बोली भाखा छत्तीसगढी व अन्य स्थानीय बोली-भाषा से शुरू हुई, उसके बाद दूसरी भाषा से परिचय हुआ। राज्य सरकार ने छत्तीसगढ़ की संस्कृति, परंपरा को आगे बढ़ाने के लिए राजभाषा आयोग की स्थापना की है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में राज्य सरकार प्रदेश के खान-पान, रहन-सहन, पहनावा व तीज त्यौहारों के संरक्षण एवं सवर्धन के बेहतर काम कर रही है। राज्य सरकार ने विलुप्त हो रही संस्कृति एवं परंपरा को पुर्नस्थापित करने का काम किया। छत्तीसगढ़िया लोगों को सम्मान दिलाया है। आयोग का उद्देश्य सार्थक हो रहा है। मंत्री डॉ. डहरिया राजभाषा आयोग द्वारा राजधानी रायपुर स्थित एक निजी होटल में आयोजित दो दिवसीय सातवें प्रातीय सम्मेलन को सम्बोधित कर रहे थे।

मंत्री डॉ. डहरिया ने कंहा कि हमारी सरकार ने छत्तीसगढ़ महतारी का छायाचित्र तैयार कर छत्तीसगढ़ को सम्मान दिलाने का काम किया है, वहीं छत्तीसगढ़ के राज्यगीत, राजकीय गमछा ने प्रदेश और देश में एक अलग स्थान बनाया है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में प्रतिभा की कमी नहीं है, ऐसे प्रतिभाओं को अवसर मिलने से राज्य एक अलग पहचान बनेगी।

संसदीय सचिव कुंवर सिंह निषाद ने कहा कि देश में लगभग 1652 प्रकार की मातृभाषा प्रकाश में है। अपने-अपने राज्य की अलग-अलग बोली-भाषा है। सभी को अपने मातृभाषा पर गर्व होता है। हमारी छत्तीसगढ़ी बोली-भाखा गुरतुर और मिठास है। हम सबको अपनी मातृभाषा पर गर्व होना चाहिए। निषाद ने लोगों को अपने दैनिक जीवन में छत्तीसगढी भाषा के उपयोग पर बल दिया। उन्होंने छत्तीसगढ़ी गीतों और हाना के जरिए पुरखों की समृद्ध मातृभाषा छत्तीसगढ़ी बोली का महत्व बताया।

प्रांतीय सम्मेलन को छत्तीसगढ़ राजभाषा आयोग के सचिव डॉ. अनिल भतपहरी ने सम्बोधित करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ी भाषा को आठवीं अनुसूची में शामिल कराने की दिशा में प्रयास जारी है। छत्तीसगढ़ी भाषा का मानकी करण किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की घोषणा पर छत्तीसगढ़ी को राज्य के पहली से पांचवी तक स्कूलों में पाठ्यक्रम में शामिल करने की प्रक्रिया चल रही है। बस्तर और सरगुजा सभांग में भी स्थानीय बोलियों को पाठ्यक्रम में शामिल करने की कार्यवाही जारी है।

मंत्री डॉ. डहरिया ने इस दौरान साहित्यकार एवं भाषाविद् डॉ. सुरेश शर्मा द्वारा लिखित पुस्तक 'बाबा गुरू घासीदास चरित्र', बलदेव साहू द्वारा लिखित 'मेचका राजा-मछली रानी', उर्मिला शुक्ला द्वार लिखित पुस्तक 'देहरी', भुवन दास कोसरिया द्वारा लिखित 'सतनाम वृतांत', प्रेमदास टण्डन द्वारा लिखित पुस्तक 'सुन भैरा', डॉ. मणिमनेश्वर ध्येय द्वारा लिखित 'अछूत अभागन', बोधन राम निषाद द्वारा लिखित पुस्तक 'आलहा छंद जीवनी', कन्हैया लाल बारले द्वारा लिखित 'दू गज जमीन', डॉ. नीलकंठ देवांगन द्वारा लिखित 'सोनहा भुइंया', बद्री पारकर द्वारा लिखित 'बिसरे दिन के सुरता', चोवाराम द्वारा लिखित 'मैं गांव के गुढ़ी अव', तारिका वैष्णव द्वारा लिखित 'बनगे तोर बिगड़गे', कृष्ण कुमार साहू द्वारा लिखित 'छत्तीसगढ़ दर्शन', रंजीता चक्रवती द्वारा लिखित 'लड़की के सपना', वंदना त्रिवेदी द्वारा लिखित छत्तीसगढ़ी में 'रामायण के सातों काण्ड', बालकृष्ण गुप्ता एवं पीसी लाल द्वारा लिखित 'गुरू ज्ञान' और डॉ. अनिल भतपहरी द्वारा लिखित 'सुकवा उगे न मदरश झरे' पुस्तक का विमोचन किया।

इस मौके पर छत्रपति शिवाजी महाविद्यालय के कुलपति डॉ. केसरी लाल वर्मा, छत्तीसगढ़ राजभाषा आयोग के पूर्व अध्यक्ष डॉ. विनय पाठक, वरिष्ठ साहित्यकार एवं भाषाविद् परदेशीराम वर्मा सहित बड़ी संख्या में साहित्यकार और जिला समन्वयक उपस्थित थे।

मेरी माटी मेरा देश

स्वतंत्रता आंदोलन के शहीदों को किया जाएगा याद

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। भारत में स्वतंत्रता की लड़ाई में शहीद हुए गुमनाम नायकों एवं शहीदों को श्रद्धांजलि देने और विद्यार्थियों को ऐसे वीरों के जीवन से परिचित कराने के उद्देश्य से राज्य के समस्त स्कूलों में वीरगाथा एवं ''मेरी माटी मेरा देश'' से संबंधित विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। इस कार्यक्रम के माध्यम से प्रत्येक गांव से मिट्टी लेकर उसे विकासखण्ड व जिले से होते हुए कलश यात्रा के माध्यम से दिल्ली भेजा जाएगा। इस मिट्टी का उपयोग दिल्ली में अमृत वाटिका उद्यान विकसित करने के लिए किया जाएगा।

''मेरी माटी मेरा देश'' कार्यक्रम के प्रथम चरण अंतर्गत शामिल गतिविधियों में अपने क्षेत्र में वीर सेनानियों के स्मारक बनाकर उनका स्मरण करना, स्वंतत्रता संग्राम सेनानी और उनके परिवार के सदस्यों को सम्मानित करना है। समुदाय के साथ विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन कर राष्ट्रगान एवं झण्डावंदन किया जाएगा। सभी सरकारी, निजी, अनुदान प्राप्त स्कूलों में बच्चों के माध्यम से प्रभात फेरी का आयोजन किया जाएगा। जिसमें स्थानीय डाकघर से झण्डा क्रय करते हुए झण्डे के साथ अधिक से अधिक बच्चों एवं समुदायों को शामिल कर प्रभात फेरी निकाली जाएगी। खेलकूद, गेड़ी दौड़, स्थानीय खेलकूद, नाटक, रोल प्ले आदि का आयोजन होगा। महान व्यक्तित्व एवं स्वतंत्रता आंदोलन से संबंधित मुद्दों पर निबंध लेखन, चित्रकला, पोस्टर, मूर्तिकला एवं रंगोली आदि से संबंधित प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। देशभक्ति गीत, कविता एवं गायन प्रतियोगिताएं भी होंगी। प्राचार्य, संस्था प्रमुख एवं समुदाय के विशिष्ट अतिथियों को आमंत्रित कर उनका उद्बोधन सुना जाएगा।

द्वितीय चरण में इस कार्यक्रम के अंतर्गत कलेक्टर के नेतृत्व में 30 सितम्बर के पहले सभी गांवों एवं वार्ड से स्थानीय स्तर पर मिट्टी को एकत्र कर उसका संकलन किया जाएगा। विकासखण्ड स्तर पर निगम कार्यालयों के सहयोग से सभी गांवों और वार्ड के मिट्टी को एकत्र कर 13 अक्टूबर के पहले आपस में मिलाकर रखा जाएगा। विकासखण्ड से कलश के रूप में इस संग्रहित मिट्टी को राज्य स्तर पर निर्धारित स्थल पर पहुंचाया जाएगा और उसे 27 अक्टूबर के पहले दिल्ली ले जाने के लिए एकत्र किया जाएगा।

इस कार्यक्रम के अंतर्गत भारत के नागरिक पोर्टल में जाकर प्रतिज्ञा ले सकते हैं। इस पोर्टल में अपना फोटो जिसमें वे काम कर रहे हो, पौधे लगा रहे हो, मिट्टी का दिया पकड़े हो आदि से संबंधित फोटो अपलोड कर सकते हैं। ऐसा करने पर उन्हें मेरी माटी मेरा देश के नाम से एक सर्टिफिकेट भी प्राप्त होगा, जिसे डाउनलोड भी किया जा सकेगा।

17 अक्टूबर से छत्तीसगढ़ में होगा तीन दिवसीय प्रार्थना महोत्सव

रायपुर (ए)। प्रदेश की राजधानी रायपुर में 17 से 19 अक्टूबर तक फेस्टिवल ऑफ प्रेयर यानी प्रार्थना महोत्सव होने वाला है। यह मध्य भारत के सबसे बड़े चर्चों में से एक सेंट पॉल्स कैथेड्रल में होगा। इसमें सीएनआई सिनड के मॉडरेटर द मोस्ट बी.के नायक, छत्तीसगढ़ डायसिस के बिशप एसके नंदा, देश की 27 डायसिसों के महाधर्म गुरु यानी बिशप प्रमुख रूप से शामिल होंगे। वे विश्व शांति, देश व प्रदेश की तरक्की, शांति, सदभाव, भाईचारे तथा मानवता की सेवा के लिए दुआ करेंगे। चर्च ऑफ नार्थ इंडिया का सिनड इसका आयोजन कर रहा है। छत्तीसगढ़ डायसिस को इसका होस्ट बनाया गया है। डायसिस के सचिव नितिन लारेंस पूरी व्यवस्था को को-ऑर्डिनेट कर रहे हैं। डायसिस के प्रवक्ता जॉन राजेश पॉल ने बताया कि महोत्सव में सभी चर्चों प्रेसबिटर इंचार्ज व डिकंस को भी जिम्मेदारी सौंपी गई है। प्रबंधन समितियों का गठन किया गया है। सिनड के कोषाध्यक्ष सुब्रतो गोरई समेत सभी पदाधिकारी, प्रत्येक डायसिस से बिशप के साथ पदाधिकारी भी शिरकत करेंगे। प्रार्थना महोत्सव के साथ ही व्यक्तिगत तथा कलीसिया स्तर पर भी प्रार्थनाएं होंगी। सिनड के मार्गदर्शन एवं निर्देशानुसार प्रत्येक कलीसिया से प्रार्थना योद्धाओं को नियुक्त किया जा रहा है। वे प्रतिदिन अपने स्थान पर तय प्रेयर पाइंट के आधार पर प्रार्थना करेंगे। इसके लिए कलीसिया से पांच - पांच मसीहीजनों को चयनित किया जा रहा है। इसके लिए प्रार्थना समिति मोबाइल ग्रुप भी बनाया गया है। पादरी सुनील कुमार संयोजक व डॉ. राकेश सालोमन सहसंयोजक हैं। डायसिस के कोषाध्यक्ष अजय जॉन व पूरी एक्जीक्यूटिव कमेटी, सुपरीटेंडेंट आलोक रंजन, सेंट पॉल्स कैथेड्रल की पास्ट्रेट कमेटी आदि इसे सफल बनाने में जुटी है।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

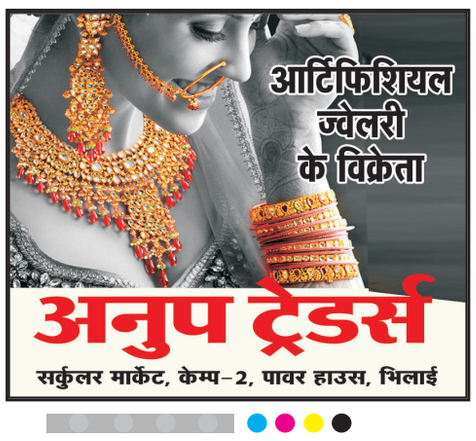

नीरजा का किरदार निभाकर मैं और संवेदनशील हो गईः आस्था शर्मा

नीरजा... एक नई पहचान से टीवी में अपनी जगह बनाने वाली अभिनेत्री आस्था शर्मा ने बताया कि यह किरदार उनके लिए सबसे फायदेमंद और भावनात्मक रूप से चुनौतीपूर्ण अनुभव रहा है। जीवन निष्पक्ष नहीं है और कठोर वास्तविकताओं का सामना करना सबसे कठिन हिस्सा है। यह अहसास शो में नीरजा (आस्था) को बुरी तरह प्रभावित करता है, यह एक सामाजिक नाटक है, जिसने अपने लॉन्च के बाद से ही दर्शकों का ध्यान आकर्षित किया है।

कहानी में अब तक, प्रोतिमा (स्नेहा वाघ) ने अपनी बेटी नीरजा को सबसे अच्छी परवरिश देने के लिए हरसंभव कोशिश की है। सोनागाछी के बाहर बेहतर जीवन का नीरजा का सपना तब टूट जाता है जब उसे पता चलता है कि उसकी मां एक सेक्स वर्कर है और अब तक, वह एक अस्पताल में नर्स होने का दिखावा करती थी। वह यह जानकर टूट गई कि उसकी मां ने उसके लिए एक काल्पनिक दुनिया बनाई थी। वास्तविकता को स्वीकार करना उसके लिए दर्दनाक और हृदय विदारक है। इस रहस्योद्घाटन के भावनात्मक प्रभाव के बारे में बात करते हुए आस्था ने कहा, एक अभिनेत्री के रूप में नीरजा का किरदार निभाना मेरे लिए सबसे फायदेमंद अनुभव और भावनात्मक रूप से चुनौतीपूर्ण अनुभव रहा है।

मुझे नहीं पता कि अगर मैं उसकी जगह होती तो क्या करती। अब जब उसे यह सच्चाई पता चली है कि उसकी मां ने आजीविका कैसे अर्जित की, तो उसके पैरों तले जमीन खिसक रही है।

उन्होंने कहा, भले ही उसने यह सब नीरजा की खातिर किया हो, लेकिन इससे विश्वासघात कम भयावह और विनाशकारी नहीं हो जाता। भावनात्मक उथल-पुथल के इन विभिन्न चरणों को चित्रित करने से मुझे एक अभिनेत्री के रूप में विकसित होने में मदद मिली है। मैं अब अधिक सहानुभूतिशील हूं।

हालिया कहानी में दर्शक वर्तमान में बागची परिवार के भीतर गणेश उत्सव का जश्न देख रहे हैं। यह महत्वपूर्ण क्षण है जब शो की प्रतिपक्षी, दीदुन (काम्या पंजाबी) को पता चलता है कि अबीर ने अपनी खोई हुई याददाश्त वापस पा ली है। नतीजतन, दीदुन ने नीरजा को सोनागाछी लौटाने और उसे वहां काम करने के लिए मजबूर करने का निर्णय लिया।

नींबू का इस्तेमाल करने का यह है सही तरीका

इन खाने वाली चीजों के साथ कॉम्बिनेशन करने से बचें

आम बोलचाल की भाषा में एक कहावत बेहद मशहूर है प्रतिदिन एक सेब डॉक्टर से दूर रखता है। हालांकि, नींबू के लिए भी क्या यही कहा जा सकता है? नींबू जोकि विटामिन सी से भरपूर है और अगर इसे रोजाना खाया जाए तो आपकी इम्युनिटी मजबूत हो जाएगी। एक रिसर्च के मुताबिक कुछ ऐसे लोगों पर रिसर्च किया गया जो रोजाना नींबू खाते थे। इस रिसर्च में सबसे हैरान करने वाली बात यह सामने आई कि उनकी औसत लाइफ उन लोगों की की तुलना में लगभग 3 सप्ताह अधिक थी जो बिल्कुल भी नींबू नहीं खाते थे। नींबू एक खट्टा फल है। किसी भी खाने वाली चीज में स्वाद बढ़ाने के लिए नींबू का इस्तेमाल किया जाता है। लेकिन आपकी जानकारी के लिए बता दें कि कुछ चीजों के साथ नींबू का कॉम्बिनेशन करने से बचना चाहिए नहीं तो यह सेहत के लिए खतरनाक हो सकता है।

दूध या डेयरी प्रोडक्ट के साथ नींबू खाने से बचें

जब भी हम घर पर पनीर बनाते हैं तो हम अक्सर खौलते हुए दूध में नींबू का रस निचोड़ते हैं और फिर इसी प्रोसेस से पनीर निकालते हैं। लेकिन आपकी जानकारी के लिए बता दें कि नींबू में मौजूद एसिड डेयरी में प्रोटीन के लेवल में गड़बड़ी मचा सकती है। जिसके कारण यह गांठ बन जाती है । इसके अलावा, डेयरी प्रोडक्ट और नींबू खाने से शरीर में अम्लीय प्रतिक्रिया हो सकती है और गंभीर सीने में जलन और एसिडिटी हो सकती है। तो आप क्या कर सकते हैं, जब आप अपने डेयरी-आधारित डेसर्ट या सॉस में खट्टा स्वाद जोड़ना चाहते हैं तो नींबू के छिलके या नींबू के स्वाद वाले सिरप का इस्तेमाल करें।

रेड वाइन

नींबू का इस्तेमाल कई कॉकटेल और बियर के साथ किया जाता है। हालांकि, नींबू और रेड वाइन कभी भी साथ में नहीं पीना चाहिए। नींबू की अम्लता रेड वाइन में मौजूद टैनिन को प्रभावित कर सकता है, जिसके परिणामस्वरूप वाइन का स्वाद कड़वा हो जाता है। इसीलिए, रेड वाइन से बने सॉस या मैरिनेड में नींबू का इस्तेमाल न करें। यदि आप अपने खाने के साथ वाइन का आनंद लेना चाहते हैं, तो व्हाइट वाइन पिएं।

मसालेदार खाने के साथ नींबू का इस्तेमाल न करें

इंडियन किचन की जान है नींबू। नींबू का नेचर एसिडिक होता है। इसलिए अगर आप इसे मसालेदार खाने के साथ इस्तेमाल करेंगे तो यह शरीर की गर्मी बढ़ाने के साथ-साथ पाचन संबंधी दिक्कते भी पैदा कर सकती है। मसालेदार खाने में नींबू का इस्तेमाल टेस्ट को बिगाड़ सकता है।

गर्म खाने में नींबू का इस्तेमाल न करें

नींबू खाने का सबसे बड़ा फायदा इससे मिलने वाला विटामिन सी है। हालांकि, विटामिन सी काफी ज्यादा गर्मी के प्रति संवेदनशील है और गर्मी से आसानी से नष्ट हो सकता है। इसलिए, ऐसे खाने पर नींबू का रस डालने से बचें जो अभी भी भाप बन रहा हो। आंच पर हो। आप अपने पके हुए खाने में नींबू डालकर इस्तेमाल कर सकते हैं।

पपीता

नींबू का रस एक पसंदीदा सलाद ड्रेसिंग है और फलों की मिठास को खट्टा स्वाद देने के लिए अक्सर फलों के सलाद में इसका उपयोग किया जाता है। हालांकि, नींबू के साथ मिलाने पर सभी फल अच्छा काम नहीं करते हैं। पपीता एक ऐसा फल है जो संतरे, अंगूर या नींबू जैसे किसी भी खट्टे फल के साथ मिलाने पर फायदे से ज्यादा नुकसान पहुंचाता है। ऐसा इसलिए है क्योंकि पपीते में ही उच्च मात्रा में विटामिन सी होता है, जो नींबू जैसे विटामिन सी से भरपूर अन्य स्रोतों के साथ मिलकर एसिड रिफ्लक्स, सीने में जलन और पेट में जलन पैदा कर सकता है।

काम, सपने और जुनून मुझे मेरे किरदार काव्या से जोड़ता हैंः सुम्बुल तौकीर खान

अपकमिंग शो काव्य- एक जज्बा, एक जुनून में मुख्य भूमिका निभाने के लिए पूरी तरह तैयार एक्ट्रेस सुम्बुल तौकीर खान ने इस बारे में खुलकर बात की है कि वह अपने किरदार में क्या बदलाव लाना चाहती हैं।

यह शो एक प्रेरणादायक किरदार काव्या की कहानी है, जो एक आईएएस अधिकारी है, जिसकी महत्वाकांक्षा देश की सेवा करना और आम आदमी के लिए सही काम करना है।

सुम्बुल ने शो, किरदार, चुनौतियों और अपने सह-कलाकारों के साथ साझा किए गए बंधन के बारे में बात की।

एक्ट्रेस ने कहा कि उन्हें कहानी बहुत प्रासंगिक और वास्तविक लगी। यह कहीं न कहीं सभी की कहानी से संबंधित है, इसलिए मैंने सोचा कि मुझे यह करना चाहिए। अपने किरदार के बारे में बात करते हुए, सुम्बुल ने कहा, मुझे लगता है कि एक पहलू है जहां मैं काव्या से सबसे ज्यादा जुड़ सकती हूं, वह है अपने काम, सपने और लक्ष्य के प्रति उसका जुनून। क्योंकि मेरे पूरे जीवन में मेरे पास कभी कोई दूसरा विकल्प नहीं था। मुझे हमेशा लगता था कि अगर मैंने एक्टिंग करने की ठान ली है तो यही करूंगी।

इस बारे में बात करते हुए कि काव्या का किरदार निभाते समय उन्होंने किन बातों को ध्यान में रखा सुम्बुल ने कहा, मैंने वास्तव में एक किरदार को निभाने का फैसला किया। क्योंकि, आईएएस अधिकारी आमतौर पर बहुत शांत स्वभाव के होते हैं। वे बहुत बुद्धिमान हैं, आप उन्हें कभी भी परेशान नहीं देख सकते। वे हमेशा जानते हैं कि किसी स्थिति को कैसे संभालना है।

इमली फेम एक्ट्रेस ने कहा, मुझे लगता है कि यह कुछ ऐसा था जिसके बारे में मुझे चिंतित होना था, क्योंकि मैं शांत स्वभाव की नहीं हूं। मैं कभी-कभी घबरा जाती हूं, इसलिए यह मेरे लिए बहुत मुश्किल है, लेकिन मैं एक व्यक्ति के रूप में काव्या से काफी कुछ सीख रहा हूं। सुम्बुल ने कहा कि काव्या बहुत ही साफ दिल की लड़की है। मुझे लगता है कि मुझे उससे सबकुछ अपनाना चाहिए, खासकर उसकी बुद्धिमत्ता। काव्या का प्रीमियर 25 सितंबर को सोनी पर होगा।

रिवीलिंग आउटफिट पहन मौनी रॉय ने शेयर किया ग्लैमरस अवतार, बोल्डनेस देख हैरत में पड़े फैंस

बॉलीवुड एक्ट्रेस मौनी रॉय आए दिन खूबसूरती भरी अदाओं से फैंस का ध्यान अपनी ओर खींच लेती हैं। एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो वो चंद ही मिनटों में वायरल होने लगती हैं। हाल ही में मौनी रॉय ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टा पर साझा की है। इन फोटोज को देखते ही सोशल मीडिया पर सनसनी मच गई है। टीवी से बॉलीवुड तक का सफर तय करने वाली एक्ट्रेस मौनी रॉय आए दिन अपनी हॉट और बोल्ड फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती रहती हैं।

एक्ट्रेस जब भी अपना ग्लैमरस अवतार फैंस के बीच शेयर करती हैं तो अक्सर वो उनकी तारीफों के पुल बांधने लगते हैं। हालिया फोटोशूट के दौरान एक्ट्रेस ने अपनी कातिलाना अदाओं से फैंस के बीच हुस्न की बिजलियां गिरा दी है। इन तस्वीरों में उनकी सेक्सी अदाएं देखकर फैंस आहें भर रहे हैं। बता दें कि मौनी रॉय के सारे लुक फैंस के बीच ट्रेंड करते हैं। मौनी रॉय ने अपनी इन लेटेस्ट फोटोज में पिंक कलर का बॉडीकॉन आउटफिट पहना हुआ है। एक्ट्रेस ये ड्रेस काफी डीपनेक है। अपने इस बॉडी फिटेड ड्रेस में वो बेहद गॉर्जियस नजर आ रही हैं। बालों को खुला छोड़कर, न्यूड लिप्सटिक और स्मोकी आई मेकअप कर के एक्ट्रेस मौनी रॉय ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है।

इन बीमारियों के मरीज भूल से भी न खाएं केला, वरना जिंदगी खतरे में पड़ जाएगी

केला में भरपूर मात्रा में आयरन और कैल्शियम होता है। लोग इसे व्रत से लेकर ब्रेकफास्ट में खाना पसंद करते हैं। लेकिन इसका मतलब यह बिल्कुल नहीं है कि फल तो आप कभी भी खा सकते हैं। और यह फायदेमंद ही होगा। ज्यादा केला खाने से पेट बंध जाता है। इसलिए केला को सोच समझकर ही खाना चाहिए। क्योंकि यह आपके पेट का पानी सोख लेता है। और मेटाबोलिक रेट स्लो कर देता है। जिसकी वजह से कब्ज की शिकायत हो सकती है। कई बार केला खाना नुकसानदायक भी हो सकता है। ऐसे में सवाल यह उठता है कि किन लोगों को केला नहीं खाना चाहिए?

कौन सी बीमारी में केला नहीं खाना चाहिए

हाई ब्लड शुगर में:- डायबिटीज के मरीज को केला खाना नुकसान पहुंचा सकता है। साथ ही साथ यह आपके शुगर के लेवल को बढ़ा सकता है। केला खाने से तेजी से शुगर स्पाइक हो सकती है। और डायबिटीज की समस्या हो सकती है। इसलिए डायबिटीज के मरीज को केला खाने से बचना चाहिए।

अस्थमा और ब्रोंकाइटिस में:- केला खाने से अस्थमा और ब्रोकाइटिस की दिक्कत हो सकती है। केला आपकी एलर्जी को और ज्यादा बढ़ा सकता है। और इससे रिकवरी करने में काफी वक्त लगेगा। इसलिए अगर अस्थमा और ब्रोंकाइटिस की बीमारी से जूझ रहे हैं तो कोशिश करें की केला न खाएं।

खांसी होने पर:- खांसी में केला खाने से दिक्कत और बढ़ सकती है। केला बलगम को बढ़ाता है जिसकी वजह से कंजेशन की दिक्कत होती है। साथ ही साथ एलर्जी और सांस लेने की दिक्कत भी पैदा होती है। खांसी की समस्या वाले भूल से भी केला न खाएं। क्योंकि कुछ लोगों को शाम के वक्त केला खाने से खांसी बढ़ जाता है।

माइग्रेन में:- केला हिस्टामाइन रिलीज करता है। कुछ ऐसे कंपाउंड्स को बढ़ाता है तो आपकी माइग्रेन की समस्या को बढ़ा सकता है। साथ ही केले में अमीनो एसिड टाइरोसिन होता है जो बॉडी में पहुंचकर टायरामाइन में बदल जाता है। ऐसे में माइग्रेन ट्रिगर हो जाता है।

दुर्ग, सुपेला और कोहका प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

Paul Sir
BANK P.O. & CLERK, MBA, RLY., SSC.
रमा कोचिंग
135,NEW CIVIC CENTER, Bhilai Ph. 0788-6560005

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता

बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

खास खबर

नवनिर्मित अनुविभागीय अधिकारी राजस्व भवन का संसदीय सचिव इंद्रशाह मंडावी ने किया शुभारंभ

मोहला। संसदीय सचिव इंद्र शाह मंडावी ने मानपुर में नवनिर्मित अनुविभागीय अधिकारी राजस्व कार्यालय का अपने कर कमलों से शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि मानपुर में नवनिर्मित अनुविभागीय राजस्व कार्यालय का शुभारंभ होने से क्षेत्र की जनता को राजस्व से संबंधित मामलों के निपटारा करने में सहूलियत होगी। उन्होंने कहा कि शासन द्वारा लगातार नवनिर्मित जिला मोहला मानपुर अंबागढ़ चौकी में विकास के कार्य को धरातल पर कराया जा रहा है। क्षेत्र में अनेकों विकास के कार्य होने से जनता को इन संसाधनों और सुविधाओं का लाभ मिलने लगा है। उन्होंने कहा कि जिला गठन के उपरांत तेजी से क्षेत्र की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए विकास कार्य किया जा रहे हैं। इस दौरान मानपुर जनपद अध्यक्ष दिनेश मंडावी, जिला पंचायत सदस्य राधिका अंधारे, सरपंच हरीश लाटिया, संयुक्त कलेक्टर प्रेमलता चंदेल, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व मानपुर अमित नाथ योगी, मुख्य कार्यपालन अधिकारी मोहम्मद हनीश, एसडीओ हाउसिंग बोर्ड सुशील लहरे, एवं अन्य अधिकारीगण तथा गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

स्वीप कार्यक्रम के तहत् स्कूली बच्चों ने मतदान करने अपने पालकों को लिखा पत्र

बीजापुर। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार शतप्रतिशत मतदान करने, मतदाताओं को प्रत्येक मत का महत्व बताने हेतु कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी राजेन्द्र कुमार कटारा के मार्गदर्शन में मतदाता जागरुकता अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में जिला मुख्यालय स्थित कन्या शिक्षा परिसर, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय गंगालूर, स्वामी आत्मानंद विद्यालय बीजापुर सहित विभिन्न स्कूलों में विद्यार्थियों द्वारा अपने माता-पिता मतदान के महत्व के बारे में बताते हुए मताधिकार का प्रयोग करने हेतु पत्र लिखा गया। इस पत्र लेखन कार्यक्रम के आयोजन में निर्वाचन से जुड़े अधिकारी-कर्मचारी, स्कूलों के प्राचार्य एवं शिक्षकों ने महती भूमिका निभाई है।

आयुर्वेद पद्धति से किया अष्मरी रोग का ईलाज

जशपुरनगर। जिला में आयुष विभाग के अंतर्गत आयुष पॉलीक्लीनिक, आयुषविंग, स्पेशलाइज्ड थेरेपी सेंटर, आयुर्वेद, होम्योपैथी औषधालय, सीएचसी,पीएचसी में आयुर्वेद, होम्योपैथी, यूनानी संस्था संचालित है। जिसके माध्यम से पंचकर्म क्रिया के द्वारा रोगियों को ईलाज करके नि:शुल्क औषधि वितरण किया जा रहा है।

आयुष विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार जिले में विगत सप्ताह में कुल 2942 रोगियों को औषधि वितरण कर नि:शुल्क उपचार किया गया साथ ही पंचकर्म क्रिया नाड़ी स्वेद, सर्वांग स्वेद, नस्य एवं शिरो धारा के द्वारा 44 रोगियों की चिकित्सा की गई। विभाग द्वारा मुख्य रूप से जीर्ण वात व्याधि, ज्वर, संधिवात, त्वक विकार, पाददाह, गृध्रासी, जीर्ण श्वास रोग, दौर्बल्यता, जीर्ण काश रोग एवं उदर रोग की सफलता पूर्वक चिकित्सा की गई। साथ ही हाट बाजार एवं सियान जतन क्लीनिक के माध्यम से 153 रोगियों की चिकित्सा की गई।

उल्लेखनीय है कि जिले में कुल 03 आयुष हेल्थ एण्ड वेलनेस सेंटर संचालित है। जहां संस्थाओं में 110 हितग्राहियों को योगाभ्यास कराया गया है। साथ ही 122 हितग्राहियों को काढ़ा वितरण कराया गया। इसके साथ ही सूचना, शिक्षा एवं संचार के माध्यम से पम्पलेट द्वारा भी लोगों को अधिक संख्या में आयुष चिकित्सा पद्धति द्वारा उपचार हेतु सफलता पूर्वक जागरूक किया जा रहा है।

शासकीय आयुर्वेद औषधालय बटईकेला के आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुबोध कुजूर के द्वारा अष्मरी (गुर्दे के पथरी) का सफलतापूर्वक ईलाज किया गया। कुछ समय पूर्व 54 वर्षीय युवक द्वारा तेज उदर सूल एवं मूत्र दाह के साथ वमन की समस्या की ईलाज के लिए आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुबोध कुजूर से मुलाकात की थी।

गुर्दे के पथरी से ग्रसित युवक द्वारा पहले कई जगह से ईलाज कराया और ज्यादा फायदा नहीं हो पाया। इसके पश्चात उन्होने आयुर्वेद की औषधि लेने का निर्णय किया। जिस हेतु उन्होंने शासकीय आयुर्वेद औषधालय बटईकेला में पदस्थ डॉ. सुबोध कुजूर आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी से सम्पर्क किया। डॉ. सुबोध कुजूर के द्वारा उनसे जानकारी लेकर अष्मरी रोग से ग्रसित बताया और आयुर्वेद पद्धति से ईलाज प्रारम्भ किया। लगभग 10 दिवस की चिकित्सा के पश्चात् रोगी को उदर शूल एवं मूत्र दाह में राहत महसूस हुआ और रोगी को योगासन कपाल भारती तथा व्याधि संबंधित पथ्य आहार विहार की जानकारी दी गई। आज वर्तमान की स्थिति में रोगी को अष्मरी से संबंधित आहार और विहार का सेवन कर रहे है।

कैट ने की डिजिटल भुगतानों पर लेनदेन शुल्क में छूट और डिजिटल पेमेंट प्रमोशन बोर्ड गठित करने की मांग

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष अमर पारवानी, चेयरमेन मगेलाल मालू, अमर गिदवानी, प्रदेश अध्यक्ष जितेन्द्र दोशी, कार्यकारी अध्यक्ष विक्रम सिंहदेव, परमानन्द जैन, वाशु माखीजा, महामंत्री सुरिन्द्रर सिंह, कार्यकारी महामंत्री भरत जैन, एवं कोषाध्यक्ष अजय अग्रवाल ने बताया कि सरकार के डिजिटल पेमेंट को ज़्यादा से ज़्यादा करने के आह्वान तथा जी 20 द्वारा एमएसएमई सेक्टर को डिजिटल अर्थव्यवस्था से जोड़ने के निर्णय को अमली जामा पहनाने की दृष्टि से कन्फेडरेशन ऑफऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने आज केंद्रीय आई टी मंत्री अश्विनी वैष्णव तथा वित्त मंत्री निर्मला सीथारमन से पुरजोर आग्रह किया है की भारत को कम नकदी वाली अर्थव्यवस्था बनाने तथा व्यापार द्वारा बड़े पैमाने पर लोगों द्वारा डिजिटल भुगतान को तेजी से अपनाने के लिए केंद्र सरकार को तुरंत एक डिजिटल पेमेंट प्रमोशन बोर्ड गठित करना चाहिए तथा डिजिटल भुगतान पर लेनदेन शुल्क को सरकार द्वारा सीधे बैंकों को सब्सिडी दी जाये जिससे व्यापारियों और उपभोक्ताओं पर बैंक चार्ज का आर्थिक भार न पड़े। कन्फेडरेशन ऑफ आल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने यह कहते हुए सरकार से यह भी आग्रह किया की नेशनल पेमेंट कॉउंसिल ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) को यूपीआई, भीम आदि को ही चलाना चाहिए और पेमेंट इंडस्ट्री को मॉनिटर तथा रेगुलेट करने के लिए पृथक रूप से एक रेगुलेटरी अथॉरिटी बनाई जाए। उन्होंने यह भी कहा कि जब सरकार द्वारा नीति के रूप में अनेक क्षेत्रों में खुला नेटवर्क बनाया जा रहा है तो पेमेंट इंडस्ट्री को भी खुला नेटवर्क दिया जाना चाहिए ताकि उपयोगकर्ताओं को सर्वोत्तम सेवाएं मिल सके।

श्री पारवानी एवं श्री दोशी ने कहा की गैर बैंकिंग वित्त कंपनियों और सूक्ष्म वित्त संस्थानों को भी शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से पीओएस टर्मिनलों को सब्सिडी देने की योजना को प्रोत्साहित करके व्हाइट लेबल पीओएस टर्मिनल स्थापित करने के लिए डिजिटल भुगतान के परिदृश्य में लाया जाना चाहिए।

श्री पारवानी एवं श्री दोशी ने यह भी कहा कि सरकार ने अगस्त, 2015 में एक प्रोत्साहन प्रस्ताव का मसौदा तैयार किया है जिसमें कुछ कर लाभ और बैंकों द्वारा वसूले जाने वाले लेन-देन की लागत में छूट के प्रस्ताव शामिल थे। उन्होंने सरकार से उक्त प्रस्तावों को लागू करने का आग्रह करते हुए कहा कि डिजिटल भुगतान के माध्यम से व्यापार लेनदेन में भुगतान स्वीकार करने वाले दुकानदारों को प्रोत्साहन प्रदान करने के प्रस्ताव से व्यापारियों को ई-भुगतान प्रणाली को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा।

डिजिटल भुगतान के तरीकों को प्रोत्साहन योजनाओं के दायरे में लाया जाना चाहिएः अमर पारवानी

कैट के राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष अमर पारवानी एवं प्रदेश अध्यक्ष जितेन्द्र दोशी ने कहा कि देश में डिजिटल भुगतान को अपनाने और स्वीकार करने में लेन-देन शुल्क का वित्तीय बोझ डिजिटल पेमेंट को अपनाने में एक बहुत बड़ी बाधा है इस दृष्टि से सरकार ट्रांसक्शन शुल्क को सब्सिडी के माध्यम से सीधे बैंकों को दे दे तो देश में डिजिटल पेमेंट अप्रत्याशित रूप से बढ़ेगा। दूसरी तरफ यह अनौपचारिक अर्थव्यवस्था को औपचारिक अर्थव्यवस्था में परिवर्तित करने में बड़ा सहायक होगा जिससे सरकार को आय कर एवं अन्य करों में भी बड़ी वृद्धि होगी। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि एक महीने में तीन बार से अधिक एटीएम के उपयोग से अधिक इस्तेमाल करने पर एटीएम से नकद राशि निकालने पर एक सामान्य शुल्क लगाया जा सकता है। सभी प्रकार के डेबिट और क्रेडिट कार्ड, पीओएस टर्मिनल, एम-पी ओ एस, मोबाइल वॉलेट, मोबाइल एप्लिकेशन, क्यूआर कोड, यूपीआई और आधार सक्षम एप्लिकेशन सहित डिजिटल भुगतान के अन्य सभी तरीकों को प्रोत्साहन योजनाओं के दायरे में लाया जाना चाहिए।

मछली पालन से निकलेगा समृद्धि का रास्ता

प्रोजेक्ट उन्नतिः 36 मनरेगा श्रमिक मछली पालन विषय पर ले रहे प्रशिक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

बीजापुर। प्रोजेक्ट उन्नति के लिए महात्मा गांधी नरेगा अंतर्गत वित्तीय वर्ष में 100 दिन पूर्ण किए 18 से 35 वर्षीय श्रमिको को मछली पालन विषय पर 10 दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान आरसेटी बीजापुर में प्रशिक्षण दिया जा रहा है। 15 सितंबर से आयोजित इस प्रशिक्षण में सहायक परियोजना अधिकारी मनीष सोनवानी ने पहुंचकर पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग एवं अन्य विभागीय गरीबी उन्मूलन योजनाओं और कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी साझा की।

इस प्रशिक्षण में जनपद पंचायत उसूर और भोपालपटनम से जाबकार्डधारी परिवार के श्रमिक प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। 24 सितंबर तक आवासीय प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रशिक्षण में शामिल हुए श्रमिकों को मछली पालन की बारीकियों से अवगत कराया जा रहा है इसी कड़ी में 22 सितम्बर को नैमेड स्थित हेचरी ले जाकर प्रायोगिक रूप मछली बीज तैयार करने की विधि का अवलोकन कराया गया। मछली पालन हेतु तालाब की साइज और मछली पालन की वैज्ञानिक विधि की विस्तृत जानकारी दी जा रही है।

सहायक परियोजना अधिकारी नारायण बंजारे ने बताया कि प्रोजेक्ट उन्नति परियोजना का मुख्य उद्देश्य बढ़ती हुई अर्थ -व्यवस्था में अकुशल श्रमिकों को प्रशिक्षण देकर कौशल उन्नयन करना है ताकि आय का स्थायी साधन प्राप्त हो सकें ।

नरवा विकासः बिखेरते हरियाली के साथ वनांचल में भरा उल्लास

कैम्पा मद से लगभग 27 लाख संरचनाओं का निर्माण प्रगति पर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य प्रतिकरात्मक वनरोपण, निधि प्रबंधन एवं योजना प्राधिकरण मद की वार्षिक कार्ययोजना 2022-23 के अंतर्गत 'नरवा विकास' कार्यक्रम में राज्य के वनांचल स्थित 01 हजार 503 छोटे-बड़े नालों में 26 लाख 75 हजार 544 भू-जल संवर्धन संबंधी संरचनाओं का निर्माण जारी है। इसके निर्माण के लिए 284 करोड़ 81 लाख रुपए की राशि स्वीकृत है। इससे 2.79 लाख हेक्टेयर भूमि के उपचार का लाभ मिलेगा।

गौरतलब है कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की विशेष पहल और वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री मोहम्मद अकबर के मार्गदर्शन में राज्य के वन क्षेत्रों में भू-जल संरक्षण तथा संवर्धन के लिए बड़े तादाद में जल स्रोतों, नदी-नालों और तालाबों को पुनर्जीवित करने का कार्य लिया गया है। वन मंत्री अकबर ने बताया कि इसके तहत प्रदेश के अंतर्गत 02 राष्ट्रीय उद्यान, 03 टाईगर रिजर्व तथा 01 एलीफेंट रिजर्व सहित 24 जिलों के 32 वन मंडलों के नालों में भू-जल संवर्धन संबंधी संरचनाओं का निर्माण होगा।

छत्तीसगढ़ राज्य प्रतिकरात्मक वनरोपण, निधि प्रबंधन एवं योजना प्राधिकरण (कैम्पा) मद से बनने वाली इन जल संग्रहण संरचनाओं से वनांचल में रहने वाले लोगों और वन्य प्राणियों के लिए पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित होगी। साथ ही नाले में पानी का भराव रहने से आस-पास की भूमि में नमी बनी रहेगी। इससे खेती-किसानी में सुविधा के साथ-साथ आय के स्रोत और हरियाली में भी वृद्धि होगी। जिससे वनांचल में उल्लास भर गया है।

इस संबंध में प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख व्ही. श्रीनिवास राव ने बताया कि नरवा विकास कार्यक्रम के तहत कैम्पा की वार्षिक कार्ययोजना 2022-23 के अंतर्गत गुरू घासीदास राष्ट्रीय उद्यान के 50 नालों में 10 करोड़ की राशि से 87 हजार 351, इन्द्रावती टायगर रिजर्व के अंतर्गत 64 नालों में 13 करोड़ की राशि से 5 हजार 663 तथा कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान के 8 नालों में 1.20 करोड़ की राशि से 1 हजार 554 संरचानाओं का निर्माण प्रगति पर है। इसी तरह एलिफेंट रिजर्व तोमर पिंगला के 57 नालों में 11 करोड़ की राशि से 24 हजार 594, अचानकमार टायगर रिजर्व के 46 नालों में 9.31 करोड़ की राशि से 39 हजार 868 तथा उदंती सीतानदी टायगर रिजर्व के 11 नालों में 1.70 करोड़ रूपए से 14 हजार 579 भू-जल संबंधी संरचानाओं का निर्माण प्रगति पर है।

इसी तरह वन मंडलवार खैरागढ़ के 34, बालोद के 12, राजनांदगांव के 24, कवर्धा के 60 तथा बिलासपुर के 40 नालों में सरंचानाओं का निर्माण होगा। इसके अलावा वनमंडलवार मरवाही के 86 नालों, कोरबा के 27 नालों, कटघोरा के 30 नालों, रायगढ़ के 41 नालों, धरमजयगढ़ के 22 नालों, जांजगीर-चांपा के 14 और मुंगेली के 22 नालों में संरचनाओं का निर्माण किया जा रहा है। गरियाबंद के 67 नालों, बलौदाबाजार के 28 नालों, धमतरी के 44 नालों, महासमुंद के 40 नालों में संरचानाओं का निर्माण जारी है।

विधानसभा में निर्वाचन व्यय की सीमा 28 लाख से बढ़कर हुई 40 लाख रूपए

कवर्धा। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी जनमेजय महोबे ने विधानसभा आम निर्वाचन 2023 की तैयारियों के संबंध में राजनीतिक दलों की प्रतिनिधियों एवं विधानसभा आम निर्वाचन के कार्यों एवं दायित्वों से जुड़े प्रशासनिक अधिकारियों की संयुक्त बैठक ली। कलेक्टर ने भारत निर्वाचन आयोग एवं मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी छत्तीसगढ़ के प्राप्त आदेश एवं दिशा-निर्देशों से अवगत कराया। बैठक में मतदाता सूची संक्षिप्त पुनरीक्षण अर्हता तिथि 1 अक्टूबर 2023 के संदर्भ में, मतदान केन्द्र का भवन परिवर्तन, स्थल परिवर्तन और नाम परिवर्तन, आगामी विधानसभा निर्वाचन 2023 राजनीतिक दलों, अभ्यर्थियों द्वारा विभिन्न मदों पर किए जाने वाले व्ययों का मानक दर निर्धारण और चुनाव संचालन (संशोधन) नियम 2022 चुनाव संचालन नियम, 1961 के नियम 90 का संशोधन चुनाव खर्च की अधिकतम सीमा में वृद्धि के संबंध में आवश्यक चर्चा हुई। चुनाव संचालन (संशोधन) नियम 2022 चुनाव संचालन नियम, 1961 के नियम 90 का संशोधन चुनाव खर्च की अधिकतम सीमा में वृद्धि के संबंध में उपस्थित सभी राजनीतिक दलों को अवगत कराया गया कि विगत छ.ग.विधानसभा निर्वाचन में एक विधान सभा में निर्वाचन व्यय की अधिकतम सीमा 28 लाख थी जिसे भारत निर्वाचन आयोग द्वारा वृद्धि करते हुए 40 लाख कर दी गयी है।

शिक्षा विभाग के प्राचार्य, बीईओ तथा संकुल समन्वयक करेंगे मतदाताओं को जागरूक

बैठक में 300 से अधिक प्राचार्यों, संकुल समन्वयक तथा सभी बीईओ हुए शामिल

श्रीकंचनपथ न्यूज

जशपुरनगर। मतदाता जागरूकता अभियान जश- प्रण के अंतर्गत जिले के सभी स्कूलों के माध्यम से पालकों, नए मतदाताओं तथा अन्य सभी मतदाताओं को जागरूक करने के लिए जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी तथा जिले के स्वीप कार्यक्रम के प्रभारी अधिकारी संबित मिश्रा द्वारा जिले के समस्त प्राचार्यों, संकुल समन्वयको, विकास खंड शिक्षा अधिकारियों की बैठक लेकर उन्हें मतदाता जागरूकता अभियान के माध्यम से शत प्रतिशत मतदान सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा की आने वाले विधान सभा निर्वाचन को ध्यान में रखते हुए जिले के एक एक मतदाताओं तक हमे पहुंचना है, उन्हे मतदान करने के लिए प्रेरित करना है और शपथ दिलाना है। उन्होंने कहा कि आप सभी से अपेक्षा है कि अपने अपने संस्था में आयोजित होने वाले मतदाता जागरूकता कार्यक्रम में अधिक से अधिक नए मतदाताओं और पालकों को मतदान करने के लिए न सिर्फशपथ दिलाएं बल्कि उनके माध्यम से अधिक से अधिक मतदाताओं तक अपनी पहुंच बढ़ाएं और लोगो को मतदान करने के लिए जागरूक करें। प्रतिदिन कुछ न कुछ कार्यक्रम आयोजित करने का प्रयास करें और विवरण सहित फोटो शेयर करें। कैंपस के बाहर रैली, नुक्कड़ नाटक, प्रभात फेरी, मतदाता जागरूकता पर गोष्टी, कवि सम्मेलन, रंगोली, मानव श्रृंखला निर्माण, स्लोगन प्रतियोगिता, भाषण प्रतियोगिता, पोस्टर निर्माण इत्यादि कार्यक्रम आयोजित कर नए मतदाताओं के साथ साथ आस पास के अन्य सभी मतदाताओं को भी जागरूक करें।

बैठक में उपस्थित विधान सभा के स्वीप नोडल अधिकारियों को भी निर्देशित किया गया कि वे अपने अपने विधान सभा क्षेत्र में स्कूल, कॉलेज के अतिरिक्त गांव, कस्बा, शहर, टोला, मुहल्ला जहां कही भी कोइ शासकीय, सामाजिक, खेल, सांस्कृतिक अथवा साहित्यिक आयोजन हो रहा हो, वहां स्वीप की टीम उपस्थित होकर सभी को मतदान करने के महत्व पर प्रकाश डालते हुए लोकतंत्र के महापर्व में सभी को अपनी सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए प्रेरित करें और मतदान करने के लिए शपथ अवश्य दिलाएं । शपथ दिलाते समय वहां उपस्थित मतदाताओं की भाषा तथा स्थानीय बोली का ध्यान रखते हुए उन्ही की भाषा और बोली में तैयार शपथ पत्र का उपयोग करें। उल्लेखनीय है कि जशपुर जिले में छः भाषा, बोली हिंदी, सादरी, कुदुख, कोरकु, उड़िया और छत्तीसगढ़ी में शपथ पत्र तैयार किया गया है जिसका उपयोग अलग अलग क्षेत्र के मतदाताओं को उनकी ही भाषा बोली में शपथ दिलाई जाती है। बैठक के अंत में सभी को मतदान करने के लिए शपथ दिलाई गई।

सरकारी स्कूल में पढ़ने वाले 12 वीं के छात्रों के लिए जेईई व नीट की निःशुल्क कोचिंग

बेमेतरा। स्वामी आत्मानंद स्कूलों की सफलता को देखते हुए और मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की घोषणा के अनुरूप अबआगामी 25 सितंबर से स्वामी आत्मानंद कोचिंग की भी शुरुआत हो जाएगी। जिसमें विषय विशेषज्ञ प्री मेडिकल और प्री इंजीनियरिंग की ऑनलाइन कोचिंग देंगे। सरकारी स्कूल में पढ़ने वाले 12वीं के अध्ययनरत छात्रों को छत्तीसगढ़ सरकार जेईई, नीट के लिए मुफ्त कोचिंग दी जाएगी। इस कोचिंग में 60 प्रतिशत या उस से अधिक के साथ दसवीं उत्तीर्ण होने वाले विद्यार्थियों को प्रवेश दिया जाएगा साथ ही अभ्यर्थी को शासकीय विद्यालयों में 12वीं का नियमित विद्यार्थी होना चाहिए जीव विज्ञान तथा गणित संकाय के विद्यार्थी ही इसके लिए पात्र माने जाएंगे। जिले के हर विकासखंड से 50-50 छात्र की संख्या भी निर्धारित की गई है और उससे अधिक संख्या में आवेदन आने पर मेरिट क्रम के हिसाब से छात्रों को मौका मिलेगा इसमें छात्रों को विषय विशेषज्ञों की ओर से गाइडेंस दी जाएगी।

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM
Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES
FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

दास गार्मेन्ट्स
जींस, शर्ट, टी-शर्ट, फ्राक सूट, फ्राक, फैंसी सलवार सूट एवं किट्स वियर,अंडर गारमेन्ट्स, गाउन के लेटेस्ट कलेक्शन
एक बार अवश्य पधारें
गणेश मार्केट, गुरुद्वारा, रोड सुपेला, भिलाई, 7828248067

Ashok JEWELLERY
Gifts ● Toys ● Cosmetics
Perfumes ● Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

खास-खबर

वैशालीनगर थाना क्षेत्र का मामलाः महिला से घर घुसकर गैंग रेप, एक गिरफ्तार

भिलाई। वैशाली नगर थाना अंतर्गत महिला के घर में घुसकर दो परिचितों ने गैंग रेप की वारदात को अंजाम दिया। वारदात के समय पति बच्चों के साथ नुआखाई त्यौहार मनाने ओडिशा गया था। लौटने पर पीड़िता ने पति को आप बीती बताई। इसके बाद शिकायत पुलिस से की गई। पुलिस ने मामले में धारा 376(घ), 450, 506 के तहत अपराध दर्ज कर लिया है। मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। वहीं दूसरा अब भी फरार है। एएसआई राजेश मणि ने बताया कि पीड़िता मूलत: ओडिशा की रहने वाली है। यहां पति के साथ मजदूरी करती है।

इन दिनों निर्माणाधीन मकान के स्टोर रूम में अपने परिवार के साथ रह रही थी। 17 सितंबर की दोपहर 2 बजे पीड़िता का पति बच्चों को लेकर नुआखाई त्यौहार मनाने के लिए काटाभाजी जिला बलांगीर ओडिशा चला गया। जबकि महिला घर में अकेली थी। 18 सितंबर की रात में पीड़िता कमरे में सो गई थी। रात 11 बजे मॉडल टाउन निवासी शंकर जगत और जय कुमार उसके घर में जबरदस्ती घुसे। घटना को अंजाम दिया। मामले में शंकर जगत को गिरफ्तार किया गया है। एक अन्य जय कुमार अब भी फरार है।

सड़क पर खून से लथपथ मिली लाशः युवक के सिर पर चोट के निशान, जांच में जुटि पुलिस

महासमुंद (ए)। महासमुंद के बागबाहरा ब्लॉक के मोंगरापाली के बीच सड़क पर लहूलुहान हालत में एक युवक की लाश मिली है। युवक के सिर पर गंभीर चोट के निशान हैं। तेंदूकोना थाना क्षेत्र के बीच मोंगरापाली गांव का मामला है।

मिली जानकारी के मुताबिक मृतक की पहचान महेश यादव पिता शिव यादव उम्र 31 वर्ष के रूप में की गई है। बताया जा रहा है कि वह शुक्रवार की रात तेंदूकोना के एक ढाबा से काम करके अपने गांव बंसूलाड़बरी पैदल जा रहा था, लेकिन घर नहीं पहुंचा। पुलिस ने बताया कि राहगीरों ने 12 बजे रात सड़क पर लाश होने की जानकारी दी, जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र भेजा। मृतक महेश के सिर के पिछले हिस्से में गंभीर चोटे है, जिसके कारण खून अधिक बह गया है। पुलिस का कहना है कि मर्ग कायम कर लिया गया है। सड़क हादसा है या फिर किसी ने हत्याकर लाश को फेंक दी। हर एंगल से पुलिस जांच कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही कुछ कहा जा सकता है।

2 बाइक की जोरदार भिड़ंत, पति-पत्नी की मौतः बैंक से घर लौट रहे थे दोनों, तेज रफ्तार बाइक सवारों ने मारी टक्कर

जांजगीर-चांपा (ए)। जांजगीर चांपा जिले के ग्राम तिलाई के एनएच 49 में दो बाइक में जोरदार टक्कर होने से पति-पत्नी की मौत हो गई। हादसे में 2 युवक गंभीर रूप से घायल हुए हैं। दोनों युवकों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना सिटी कोतवाली जांजगीर क्षेत्र की है।

मिली जानकारी अनुसार, ग्राम मुड़पार के रहने वाले रामगोपाल पटेल अपनी पत्नी गेदबाई के साथ बाइक से ग्राम तिलाई के ग्रामीण बैंक पैसा निकालने के लिए जा रहे थे। शनिवार को छुट्टी होने की जानकारी नहीं थी, जिसके बाद दोनों पति पत्नी घर वापस जा रहे थे। इस दौरान एनएच 49 पर सामने से आ रही दूसरी बाइक सवार 2 युवकों ने जोरदार टक्कर मार दी, जिससे दोनों बाइक सवार एक दूसरे से दूर जा गिरे। इस हादसे में मौके पर ही गेंदबाई की मौत हुई है, जबकि रामगोपाल पटेल ने अस्पताल में दम तोड़ा।

रायपुर पुलिस ने 250 को थाने बुलाकर कराई परेड

सीएसपी बोले- अति करोगे तो नाप दूंगाः कान पकड़कर चुपचाप जमीन घूरते रहे गुंडे-बदमाश

रायपुर (ए)। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में बीते कुछ दिनों से हो रहे अपराधों से जनता खौफमें है। इस डर की वजह बने गुंडे-बदमाशों की रायपुर पुलिस ने शनिवार शाम परेड करवा दी। उन्हें थानों में बुलाकर जमकर फटकार लगाई गई। इन अपराधियों की परेड लेते एक वीडियो सामने आया है। जिसमें कोतवाली के सीएसपी योगेश साहू बदमाशों को कड़े लहजे में चेतावनी देते दिख रहे है।

सीएसपी योगेश साहू ने आसपास के इलाकों के 25 के करीब गुंडे-बदमाशों को थाने बुलाया। जिसने भी आनाकानी की। उन्हें जीप में बैठाकर थाने लाया गया और एक किनारे खड़ा करवा दिया। ये सभी वे बदमाश है जो अपने इलाके में चाकू-बाजी, मारपीट और गुंडई दिखाकर रौब झाड़ते है।

पुलिस अफसर के इस कड़े तेवर को देखकर बदमाशों को ये बात समझ आ गई की चुपचाप कान पकड़कर खड़े रहो। फिर सीएसपी ने उन्हें चेताते हुए कहा कि अभी त्योहार और चुनाव का समय है। यदि तुम में से कोई भी किसी भी मैटर में शामिल मिला या तुम्हारे दोस्त यार या भाई-भतीजे शामिल मिले। तो ठीक नहीं होगा। अति करोगे तो मैं नाप दूंगा।

इनडायरेक्ट मैटर में भी बख्शे नहीं जाओगे

उन्होंने कहा कि तुम सबको ये बात क्लियर बता देता हूं कि जितना चाकू-बाजी और मारपीट करते हो। ये सब मैं निकाल के रख दूंगा। फिर इस बार सीधे जिला बदर की कार्रवाई होगी। कहा कि यदि कोई भी डायरेक्ट और इनडायरेक्ट तरीके से अपने नाम के दम पर जुर्म करेगा। गैंग बनाएगा तो तुम समझ लेना। पुलिस अफसर की बात सुनकर बदमाश चुपचाप जमीन घूरते दिखे।

250 गुंडा बदमाशों की थाने में हाजिरी

रायपुर पुलिस ने गणेश उत्सव के बहाने इलाके में गुंडई करने वाले सभी नए पुराने बदमाशों को थानों में इकट्ठे किया। 250 से अधिक नामजद बदमाश पुलिस के बुलावे पर थाने पहुंचे। फिर उन्हें थानेदारों ने समझाते हुए शांति से जीवन जीने के लिए चेताया। साथ ही उन्हें कहा गया कि जब भी हम बुलाएं फौरन थाने आ जाना और कानून व्यवस्था में सहयोग करना।

राजधानी रायपुर में पेट्रोल पंप से निकला पानी, पेट्रोल लेने आए ग्राहकों ने किया जमकर हंगामा

रायपुर (ए)। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर के एक पेट्रोल पंप से पेट्रोल की जगह पानी निकलने का मामला सामने आया है। पेट्रोल पंप से पानी निकलता देख ग्राहकों ने जमकर हंगामा किया। वहीं इसका वीडियो भी सोशल मीडिया में जमकर वायरल हो रहा है। यह पूरा मामला भनपुरी चौक स्थित एचपी बालाजी पेट्रोल पंप का है।

जानकरी के अनुसार, रायपुर के भनपुरी चौक स्थित एचपी बालाजी पेट्रोल पंप में जब ग्राहक पेट्रोल भराने आए तो पेट्रोल की जगह पानी निकलता दिखाई दिया। जिसके बाद बड़ी संख्या में लोग पहुंचे और पेट्रोल पंप का विरोध किया। लोगों का आरोप है कि पेट्रोल भराने आ रहे हैं लेकिन पेट्रोल की जगह पानी निकलता दिखाई दे रहा है। लगभग 15 से 20 गाड़ियों में पेट्रोल भरवा चुके लेकिन पेट्रोल की जगह पानी निकलता दिखाई दे रहा है।

वहीं इस पूरे मामले में एचपी बालाजी पेट्रोल पंप के संचालक विमल तलमले ने कहा कि पेट्रोल की जगह पानी निकल रहा है यह गलत है। आज हमारे पास शाम को पेट्रोल आया है उसमें 10 प्रतिशत एथेनॉल मिक्स आया है। जिसका इनवॉइस भी मेरे पास है। कंपनी मुझको 10 प्रतिशत एथेनॉल मिला कर दे रही है और सेंट्रल गवर्नमेंट का नियम है। नोटिफिकेशन है कि 10 प्रतिशत एथेनॉल मिक्स पेट्रोल में नमी के कारण जो पेट्रोल है वह पानी में परिवर्तित हो सकता है। वह पानी नहीं है वह 10 प्रतिशत एथेनॉल है।

चाकू से गोदकर युवक की हत्याः नाबालिग समेत 5 आरोपी गिरफ्तार, मामूली विवाद में वारदात को दिया अंजाम

राजनांदगांव (ए)। राजनांदगांव जिले में मामूली विवाद में 26 साल के युवक की चाकू से गोदकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने नाबालिग समेत 5 आरोपियों को शनिवार को गिरफ्तार कर लिया है। मामला बसंतपुर थाना क्षेत्र का है।

राजनांदगांव CSP अमित पटेल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया कि पेंडरी का रहने वाला सोनू साइमन 19 सितंबर की रात करीब 11:30 बजे नंदई चौक की ओर घूमने गया था। उसे अकेला देखकर दीपेंद्र गौड़ उर्फ पसान, राहुल बैरागी, तरुण पवार, गौरव यादव और एक नाबालिग लड़के ने घेर लिया। पहले तो सभी ने उसके साथ गालीगलौज शुरू कर दी, फिर जमकर मारपीट करने लगे।

इसी बीच दीपेंद्र उर्फ मसान ने उसके पेट पर चाकू से कई वार कर किए। इससे वो लहूलुहान होकर गिर पड़ा। इसके बाद सभी आरोपी सोनू को मरा हुआ समझकर वहां से फरार हो गए। आसपास के लोगों ने लहूलुहान हालत में युवक को देखकर उसे अस्पताल पहुंचाया। इसके बाद घायल युवक के परिजनों ने पुलिस को सूचना दी।

घायल युवक ने इलाज के दौरान तोड़ा दम

इधर 22 सितंबर को युवक ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। पुलिस ने मामले में हत्या की धारा जोड़कर आरोपियों की तलाश शुरू की। CSP अमित पटेल ने बताया कि 23 सितंबर को नाबालिग समेत हत्या के सभी 5 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। इनमें से 3 आरोपी राज्य से बाहर भागने की फिराक में थे, जिन्हें रायपुर रेलवे स्टेशन पर RPF की मदद से पकड़ा गया। वहीं 2 अन्य आरोपियों को राजनांदगांव शहर से ही गिरफ्तार किया गया है।

मामूली विवाद में की हत्या की प्लानिंग

CSP ने बताया कि आरोपियों ने पूछताछ में अपना जुर्म कबूल कर लिया है। आरोपी राहुल बैरागी ने बताया कि 16 सितंबर को उसका सोनू साइमन के साथ रेलवे स्टेशन पर विवाद हुआ था, जिसके बाद उसने अपने साथियों के साथ मिलकर हत्या की साजिश रची। 3 दिन के बाद ही उन्हें ये मौका मिल गया। 19 सितंबर को उन्होंने युवक की हत्या कर दी। पुलिस ने शनिवार को सभी आरोपियों को कोर्ट में पेश किया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है।

इधर लगातार बढ़ रही आपराधिक घटनाओं को देखते हुए सिटी कोतवाली पुलिस ने शहर में धरपकड़ अभियान चलाया। पुलिस ने आपराधिक रिकॉर्ड वाले बदमाशों पर प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की है।

प्रेमी जोड़े ने फांसी लगाकर दी जान घरवाले थे प्रेम-प्रसंग के खिलाफ

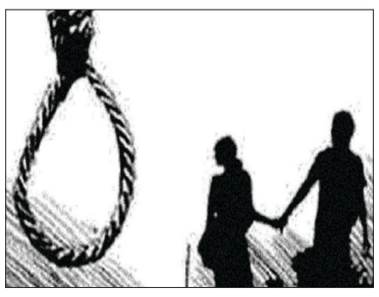

दंतेवाड़ा (ए)। छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले के गीदम थाना क्षेत्र में प्रेम प्रसंग मामले में प्रेमी जोड़े ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। दोनों ही 12वीं क्लास की पढ़ाई कर रहे थे जिसमें छात्र मंटू की उम्र 18 वर्ष बताई जा रही है, जबकि छात्रा नाबालिग है। दोनों ही गीदम जवांगा ग्राम पंचायत के रहने वाले थे, जिनके बीच प्रेम प्रसंग चल रहा था, पर स्वजन इस प्रेम संबंध के खिलाफ थे।

जानकारी के अनुसार शुक्रवार को दोनों प्रेमी जोड़ घर से गायब हो गए थे, जिसके बाद स्वजनों ने आसपास खोजबीन की, लेकिन दोनों नहीं मिले। इसके बाद स्वजनों ने इसकी सूचना गीदम पुलिस को दी। पुलिस को शनिवार को जवांगा के पास के जंगल में दोनों प्रेमी जोड़े की लाश फांसी के फंदे पर लटकी हुई मिली।

गीदम थाना प्रभारी सलीम खाखा ने बताया, दोनों मृतकों युवक-युवती के बीच प्रेम प्रसंग था। स्वजन दोनों के प्रेम संबंध के खिलाफ थे। इसलिए दोनों फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। दोनों के शवों का पोस्टमार्टम कर स्वजनों को सौंप दिया गया है।

गड्ढे में गिरी छात्रा को बस कुचलते हुए निकलीः हादसे में लड़की गंभीर रूप से घायल, गुस्साए लोगों ने किया चक्काजाम

राजनांदगांव (ए)। राजनांदगांव जिले के अर्जुनी में खराब सड़क के चलते स्कूली छात्रा हादसे का शिकार हो गई। गड्ढे में साइकिल जाने से छात्रा नीचे गिर पड़ी, इसी दौरान पीछे से आ रही बस ने उसे अपनी चपेट में ले लिया। गंभीर रूप से घायल छात्रा को बेहतर इलाज के लिए रायपुर रेफर किया गया है। मामला डोंगरगांव थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक, ग्राम बरसनटोला में रहने वाली छात्रा किरण सोनकर शनिवार को स्कूल की छुट्टी होने पर घर लौट रही थी। तभी सड़क पर मौजूद गड्ढे में उसकी साइकिल का पहिया आ गया। इससे किरण साइकिल समेत सड़क पर जा गिरी। इसी दौरान पीछे से आ रही नीरज पब्लिक स्कूल की बस ने छात्रा को अपनी चपेट में ले लिया।

गुस्साए लोगों ने किया चक्काजाम

हादसे के बाद मौके पर भीड़ जमा हो गई। लोगों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायल छात्रा को अर्जुनी स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। यहां उसकी गंभीर हालत को देखते हुए उसे प्राथमिक चिकित्सा के बाद रायपुर रेफर कर दिया गया। इधर गुस्साए लोगों ने घटनास्थल पर चक्काजाम कर दिया। इससे कई गाड़ियां जाम में फंस गई।

पुलिस-प्रशासन ने लिखित में सड़क मरम्मत का आश्वासन दिया, तब जाकर ग्रामीणों ने चक्काजाम खत्म किया। दुर्घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई, जो अब सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रही है।

थाना प्रभारी डोंगरगांव उपेंद्र कुमार शाह ने बताया कि छात्रा खराब सड़क के कारण हादसे का शिकार हुई। उन्होंने कहा कि बस ड्राइवर की कोई गलती नहीं थी, इसलिए उस पर कोई कार्रवाई नहीं की गई है। घायल छात्रा 9वीं में पढ़ती है। उन्होंने कहा कि छात्रा को पहले अर्जुनी स्वास्थ्य केंद्र फिर राजनांदगांव मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले जाया गया। इसके बाद उसे रायपुर रेफर किया गया। फिलहाल उसका इलाज डीके हॉस्पिटल में जारी है।

सेक्टर-6 एंव रिसाली के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:- 9303289950, 9827806026, 8962815243

Galaxy Granite
WholeSaler & Retailer
रायपुर से कम दामों में
All Type Of Tiles : Wall Tiles, Floor Tiles, Granite Sanitary & Null Fitting
सभी प्रकार के टाईल्स और ग्रेनाईट मिलने का एक मात्र स्थान कोई भी टाईल्स लेने से पहले एक बार अवश्य पधारे...
Raja Steel Traders, Krishna Talkies, Road, Side of ZEE Maha Sale, Risali, Bhilai - 490006
K.K. Soni - 77479-88643, 9109509095

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षों से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध | Rakesh Sahu 9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

भिलाई की सबसे बड़ी चुड़ी की दुकान
निखार बैंगल
मो.- 9826186026
Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

भारतीय बैग हाउस
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
VIP happy journey
AMERICAN TOURISTER
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता : 93003-77572

खास - खबर

श्रीराधाष्टमी धूमधाम से मनाई गई

भिलाई। ब्रज मंडल में श्री राधाष्टमी आयोजन आज ब्रज मंडल सेक्टर 6 राधा रानी का अवतरण दिवस राधा अष्टमी महापर्व भिलाई में गीता भवन राधा कृष्ण मंदिर में हर्ष उल्लास से मनाया गया। प्रात: राधा कृष्ण मंदिर विशेष साज श्रृंगार कर महा अभिषेक किया गया महिला मंडल द्वारा भजन प्रस्तुति दिए। दोपहर पूजा आरती की गई छोटे-छोटे बालक श्री कृष्ण राधा रानी वेशभूषा प्रतियोगिता की गई कृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर कलाकारों को विजय प्रतिभागी को पुरस्कार एवं सम्मानित किया गयाब्रज मंडल ग्रुप के तत्वाधान सेक्टर 6 ब्रज मंडल मंदिर राधा कृष्ण के द्वारा सुंदर नृत्य वाटिका का मंचन किया गया ग्रुप लीडर एलिस दुर्योधन विशेष सहयोगी समाजसेवी प्रशांत कुमार क्षीरसागर न्य कलाकार सपना नव्या सृष्टि टिंकू सहारे लेखराज छत्तीसगढ़ कलाकार ब्लेसी तन्नू रिमझिम मंच सहायक केट प्यासी वीरेंद्र शर्मा सूरज मं गला सभी कलाकारों ने शानदार प्रस्तुति दी दर्शकों को काफी पसंद आयाब्रज मंडल ग्रुप के तत्वाधान सेक्टर 6 ब्रज मंडल मंदिर राधा कृष्ण के द्वारा सुंदर नृत्य वाटिका का मंचन किया गया ग्रुप लीडर एलिस दुर्योधन विशेष सहयोगी समाजसेवी प्रशांत कुमार क्षीरसागर न्य कलाकार सपना नव्या सृष्टि टिंकू सहारे लेखराज छत्तीसगढ़ कलाकार ब्लेसी तन्नू रिमझिम मंच सहायक केट प्यासी वीरेंद्र शर्मा सूरज मं गला सभी कलाकारों ने शानदार प्रस्तुति दी दर्शकों को काफी पसंद आयाया

भादवा मेला में जम्मा जागरण की मची धूम, अंतिम दिन 25 को भंडारा

दुर्ग। पुलगांव नाका नवकार परिसर स्थित प्रसिद्ध श्री रामदेव बाबा दरबार में आयोजित 10 दिवसीय श्री रामदेव बाबा के भादवा मेला में जम्मा जागरण व भजनों की धूम मची हुई है। देश के प्रसिद्ध भजन गायक अपने प्रस्तुतियों से श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर रहे है। यह भादवा मेला श्री रामदेव बाबा के शिष्य सोहनलाल बापजी (चालीसगांव) के पुण्य प्रताप और भक्तमाता शांतादेवी बापजी के सानिध्य में मनाया जा रहा है। भादवा मेला के 9वें दिन 24 सितंबर को विशाल जम्मा जागरण का आयोजन किया गया है। जिसमें जम्मा गायक गौरव बजाज दुर्ग अपनी भजनों की प्रस्तुति देंगे। यह जम्मा जागरण कार्यक्रम रात 10 बजे से शुरु होगा। भादवा मेला के अंतिम दिन 25 सितंबर को प्रात: 11 बजे महाआरती और हवन-पूजन के बाद महाप्रसादी का वितरण किया जाएगा। उक्ताशय की जानकारी देते हुए श्री रामदेव बाबा दरबार के प्रमुख रमेश कुमार जैन ने बताया कि भादवा मेला में छत्तीसगढ़ के अलावा अन्य राज्यों से श्रद्धालू शामिल हो रहे है। अंतिम दिन महाप्रसादी प्राप्त करने हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ती है। जिसकी तैयारियों में रामदेव बाबा दरबार नवकार परिसर के प्रमुख रमेश कुमार जैन, सुश्री पायल जैन, मनीष जैन के अलावा दरबार के अन्य सदस्य जुटे हुए है।

जिले में अब तक 879.9 मिमी औसत वर्षा दर्ज

दुर्ग। जिले में 1 जून से 23 सितंबर तक 879.9 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गई है। कार्यालय कलेक्टर भू अभिलेख शाखा से प्राप्त जानकारी के अनुसार 1 जून से अब तक सार्वाधिक वर्षा 1055.2 मिमी पाटन तहसील में तथा न्यूनतम 613.4 मिमी. बोरी तहसील में दर्ज की गई है। इसके अलावा तहसील दुर्ग में 833.4 मिमी, तहसील धमधा में 883.5 मिमी, तहसील भिलाई 3 में 883.8 मिमी और तहसील अहिवारा में 1009.9 मिमी वर्षा दर्ज की गई। 23 सितंबर तहसील दुर्ग में 82.0 मिमी, तहसील धमधा में 93.4 मिमी, तहसील पाटन में 12.0 मिमी, तहसील बोरी में 45.5 मिमी, तहसील भिलाई 3 में 37.2 मिमी और तहसील अहिवारा में .73.6 मिमी वर्षा दर्ज की गई है।

स्वामी आत्मानंद कोचिंग के नाम से शुरू होगी योजना

कल से 150 केन्द्रों में कोचिंग देने की तैयारी

- मुख्यमंत्री की घोषणा के अनुरूप राज्य के स्कूली बच्चों को दी जाएगी इंजीनियरिंग एवं मेडिकल प्रतियोगी परीक्षाओं की कोचिंग
- रायपुर, दुर्ग, बिलासपुर व कोरबा शहरों में भी होंगे कोचिंग के लिए स्त्रोत केन्द्र
- कोचिंग की व्यवस्था हेतु कलेक्टरों और जिला शिक्षा अधिकारियों को निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की घोषणा के अनुरूप ख्याति प्राप्त प्रशिक्षण संस्थान से राष्ट्रीय प्रवेश परीक्षा प्री मेडिकल टेस्ट (नीट) और प्री इंजीनियरिंग (आईआईटी, जेईई मेन एवं एडवांस) की कोचिंग दी जाएगी। कोंचिग के लिए संस्थान का चयन प्रक्रियाधीन है। राज्य शासन के निर्णय अनुसार 25 सितम्बर 2023 से इस योजना का शुभारंभ राज्य के 146 विकासखण्ड मुख्यालयों में बीआरसीसी केन्द्र या इसके नजदीक हायर सेकेण्डरी में ऑनलाइन अध्ययन की व्यवस्था होगी। इसके अतिरिक्त 04 शहरी स्त्रोत केन्द्रों- रायपुर, दुर्ग, बिलासपुर व कोरबा में (सीआरसी) संचालित किए जाना है। कोचिंग राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद के माध्यम से छत्तीसगढ़ पाठ्यपुस्तक निगम से चयनित संस्था द्वारा प्रदान की जाएगी।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर घोषणा की थी की दूरस्थ क्षेत्रों के शासकीय शालाओं के 11वीं, 12वीं के विद्यार्थियों को इंजीनियरिंग एवं मेडिकल प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए कोचिंग हेतु देश की ख्याति प्राप्त संस्थाओं द्वारा सभी विकासखण्ड मुख्यालयों में ऑनलाईन कोचिंग की व्यवस्था की जाएगी।

स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा इस संबंध में सभी कलेक्टरों और जिला शिक्षा अधिकारियों को कोचिंग के लिए आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए है। जिला शिक्षा अधिकारियों को जारी पत्र में कहा गया है कि, चूंकि ख्याति प्राप्त प्रशिक्षण संस्थान का चयन अभी नहीं हो पाया है इसलिए भौतिक, रसायन, जीवविज्ञान और गणित विषय के शासकीय संस्थाओं से ऑफलाइन माध्यम से प्रारंभ करने की कार्यवाही की जाए। इस संबंध में कोचिंग के लिए उपयुक्त भवन या कक्ष का चयन किया जाए। प्रत्येक कक्ष में 100 प्रशिक्षणार्थियों में 50 मेडिकल और 50 इंजीनियरिंग का चयन किया जाए। प्रशिक्षणार्थियों का न्यूनतम 60 प्रतिशत अंको के साथ कक्षा 10 वीं में उत्तीर्ण होना आवश्यक है। अभ्यर्थी को संबंधित विकासखण्ड, शहर के शासकीय विद्यालय में कक्षा 12 वीं का नियमित विद्यार्थी होना चाहिए। विकासखण्ड मुख्यालय की शालाओं में कक्षा 12 वीं में जीवविज्ञान तथा गणित संकाय अंतर्गत अध्ययनरत विद्यार्थी ही पात्र होंगे। निर्धारित संख्या से अधिक आवेदन पत्र प्राप्त होने पर कक्षा 10 वीं की प्राप्त अंको की मेरिट के आधार पर चयनित किया जाएगा। कोचिंग प्रतिदिन अपरान्ह 4.30 बजे से 6.30 बजे तक संचालित होगी। विषयवार प्रशिक्षण रोस्टर जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा तैयार किया जाएगा।

प्रत्येक कोचिंग केन्द्र में भौतिक, रसायन, जीवविज्ञान और गणित विषय के लिए नोडल शिक्षक चिन्हित किया जाएगा और एक मुख्य नोडल अधिकारी भी होगा, जो प्राचार्य, वरिष्ठ व्याख्याता स्तर का होगा। जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा केन्द्र वार नोडल अधिकारी का चयन कर आदेश जारी किया जाएगा। इन चयनित नोडल अधिकारियों को मानदेय का प्रावधान रहेगा। इसका भुगतान छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा किया जाएगा।

कोचिंग संस्थान तथा विद्यार्थियों के मूल्यांकन के लिए राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद द्वारा मानक मूल्यांकन पत्र विकसित किया जाएगा। कक्षा अध्यापन का प्रसारण राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद के एडूसेट से किया जाना है। प्रसारण ई-विद्या चैनल के माध्यम से चैनल क्रमांक 72 पर ऑन एयर किया जाएगा तथा ऑनलाइन प्लेटफार्म गूगलमीट के माध्यम से 150 केन्द्रों में बैठे विद्यार्थी विषय विशेषज्ञों से चर्चा कर पाएंगे।

राहुल गांधी कल आवास न्याय सम्मेलन में होंगे शामिल, करेंगे 524.33 करोड़ के विकास कार्यों का लोकार्पण व भूमिपूजन

कलेक्टर-एसपी ने स्थल निरीक्षण कर तैयारियों का लिया जायजा

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। लोकसभा सांसद राहुल गांधी के मुख्य आतिथ्य में तखतपुर विकासखण्ड के ग्राम परसदा (सकरी) में 25 सितम्बर को राज्य स्तरीय आवास न्याय सम्मेलन का आयोजन किया गया है। राहुल गांधी इस अवसर पर 524 करोड़ 33 लाख रूपये की लागत के 185 विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन भी करेंगे। इनमें 420 करोड़ 28 लाख रूपये के 82 कार्यों का लोकार्पण एवं 104 करोड़ 5 लाख रूपये के 103 विकास कार्यों का भूमिपूजन शामिल है। श्री गांधी राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत हितग्राहियों को सामग्री, चेक एवं वन अधिकार पट्टा वितरित करेंगे। समारोह में अति विशिष्ट अतिथि के रूप में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल शामिल होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता

पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री रविन्द्र चौबे करेंगे।

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में उप मुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव, पूर्व केंद्रीय मंत्री सुश्री कुमारी शैलजा, विधानसभा अध्यक्ष डॉ. चरणदास महंत, बस्तर सांसद दीपक बैज, मंत्री ताम्रध्वज साहू, मंत्री मोहम्मद अकबर, मंत्री कवासी लखमा, मंत्री शिवकुमार डहरिया, मंत्री श्रीमती अनिला भेड़िया, मंत्री जयसिंह अग्रवाल, मंत्री गुरू रूद्रकुमार, मंत्री उमेश पटेल, मंत्री अमरजीत भगत, मंत्री मोहन मरकाम, बिलासपुर सांसद अरूण साव, कोरबा सांसद श्रीमती ज्योत्सना चरणदास महंत, संसदीय सचिव श्रीमती रश्मि आशीष सिंह, बिल्हा विधायक धरमलाल कौशिक, बिलासपुर विधायक शैलेष पाण्डेय, मस्तूरी विधायक डॉ. कृष्णमूर्ति बांधी, कोटा विधायक श्रीमती रेणु जोगी, बेलतरा विधायक रजनीश सिंह एवं जिला पंचायत अध्यक्ष अरूण सिंह चौहान शामिल होंगे।

आईजी, कलेक्टर-एसपी ने तैयारियों का लिया जायजा

राहुल गांधी एवं मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की परसदा सकरी के एसडीआरएफ मैदान में विशाल आमसभा होगी। जिला प्रशासन द्वारा मैदान में पंडाल, स्टॉल, पार्किंग आदि की जोर-शोर से तैयारियां की जा रही है। आईजी अजय यादव, कलेक्टर संजीव झा एवं एसपी संतोष सिंह ने अधिकारियों की टीम के साथ स्थल निरीक्षण किया और आवश्यक निर्देश दिए।

"चेंबर सदस्यता दिवस" के साथ मनाया जाएगा चेंबर अध्यक्ष अमर परवानी का जन्मदिन-भसीन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के प्रदेश अध्यक्ष अमर पारवानी, महामंत्री अजय भसीन, कोषाध्यक्ष उत्तमचंद गोलछा, कार्यकारी अध्यक्ष राजेन्द्र जग्गी, विक्रम सिंहदेव, राम मंधान, मनमोहन अग्रवाल ने बताया कि कल दिनांक 24.09.23 रविवार को दोपहर 1:30 बजे चेंबर अध्यक्ष अमर पारवानी के जन्मदिन के अवसर पर प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी चेंबर भवन में चेंबर सदस्यता दिवस आयोजन किया जा रहा है।

छत्तीसगढ़ चेंबर महामंत्री अजय भसीन ने बताया कि हर साल की तरह इस साल भी चेंबर अध्यक्ष अमर पारवानी जी जन्मदिन के अवसर पर चेंबर भवन में चेंबर सदस्यता दिवस का आयोजन "इस बार 25000 पार" के नारे के साथ किया गया है जिसे लेकर प्रदेश भर के व्यापारियों में उल्लास का माहौल है एवं जिसकी तैयारियां जोरों शोरों से चल रही है। कार्यक्रम में समस्त चेंबर कार्यकारिणी सहित चेंबर इकाई, व्यापारिक संगठनों एवं प्रदेश भर के व्यापारियों को आमंत्रित किया गया है।

सम्मेलनों की भीड़ बता रही सरकार की उपलब्धियां, होगी शानदार वापसी-अय्यूब खान

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। अय्यूब खान सचिव प्रदेश कांग्रेस कमेटी छत्तीसगढ़ ने बताया कि पिछले 2 माह से लगातार प्रदेश के हर दिशा में भरोसा का सम्मेलन मुख्यमंत्री भूपेश बघेल आयोजित करवा रहे है जिसमे जनता की उमडती भीड़ छत्तीसगढ़ की जनता का उत्साह उमंग से सम्मेलन में भाग लेना ये बता रहा है भूपेश बघेल सरकार की उपलब्धियों के वजह कांग्रेस पार्टी का जो नारा है अबकी बार 75 पार का नारा ही नही रहेगा 75 पार सीटें भी जितने भी वाली है।

सम्मेलनों की बात करे तो बस्तर के जगदलपुर में आयोजित भरोसे का सम्मेलन जहां लाखो लाखो लोगो ने हिस्सा लिया था, युवाओं का सम्मेलन राजीव युवा मितान क्लब के द्वारा आयोजित सम्मेलन नया रायपुर में आयोजित हुवा जिसमे लाखो युवाओं ने भाग लिया अब तक प्रदेश का सबसे बड़ा युवाओं का सम्मेलन कहा जा सकता उसके बाद राजनदगांव मे भरोसा का सममेलन वो भी शानदार रहा अभी 2 दिन पुर्व महिलाओ को लेकर भिलाई में महिला समृद्धि सम्मेलन आयोजित किया जिसमे हजारों लाखो महिलाओ ने भाग लिया सबसे महत्वपूर्ण बात ये भी है प्रदेश लगातार बारिश भी हो रही है और सरकार का सम्मेलन भी लेकिन बारिश के बावजूद भी इन सम्मेलनों में भारी भीड़ उसाह उमंग से शामिल हो रहे है इसका कारण ये है की भूपेश सरकार की हर वर्ग के लिये जो योजनाएं लागू की है उसका फायदा चाहे किसान हो,श्रमिक हो,उद्योगपति हो, व्ययपारी वर्ग हो , युवाओं हो,महिलाओ हो ,भूमिहीन किसान हो या मजदूर हो ,मध्यम वर्गीय हो सभी के लिये भूपेश सरकार कार्य कर रही है।

जन्मदिन बना यादगार, की देहदान की घोषणा

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। रामनगर निवासी बी इंदुराव ने आज एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है जिससे उनकी पुत्री शिल्पी के जन्मदिन को यादगार बनाने उन्होंने अपने देहदान की घोषणा की। जिसका आयोजन रामनगर स्थित बालाजी ब्लड बैंक में नव दृष्टि फाउंडेशन के सदस्यों द्वारा किया गया। इस अद्भुत कदम के साथ, बी इंदुराव ने समाज के लिए एक महत्वपूर्ण संदेश भी दिया है कि देहदान एक अद्वितीय तरीके से जीवन को सजाने और दूसरों की जिन्दगी में रौशनी डालने का एक माध्यम हो सकता है।

इस घोषणा के तहत, बी इंदुराव ने देहदान के लिए अपना शपथ पत्र बालाजी ब्लड बैंक के संचालक माधव राव, रितेश जैन, और राज आढ़तिया को सौंपा। यह योजना जीवन बचाने और जीवन देने के महत्वपूर्ण कार्य को प्रोत्साहित करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। बालाजी ब्लड बैंक के संचालक माधव राव ने कहा, हम इस महत्वपूर्ण कदम का समर्थन करते हैं और इस प्रयास में सहयोग करने के लिए तैयार हैं। यह एक मानवीय कार्य है जिसमें हम सभी को जुटना चाहिए। रितेश जैन और राज आढ़तिया ने भी देहदान के प्रति अपना समर्थन जताया और उन्होंने इस देहदान के सफल आयोजन के लिए सहयोग करने का सहयोग दिया, और कहा समाज में धीरे धीरे जागरूकता आ रही है जो समाज व् हमारी संस्था के लिए शुभ संकेत है।

झमाझम बारिश से कुछ इलाके हुए जलमग्न

महापौर और आयुक्त ने किया निरीक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। नगर पालिक निगम सीमा क्षेत्र अंतर्गत शहर में बीते रात से लेकर सुबह तक घंटों लगातार हो रही बारिश के कारण कुछ इलाके जलमग्न हो गए,ऐसे में महापौर धीरज बाकलीवाल और आयुक्त लोकेश चन्द्राकर ने अधिकारियों के साथ इलाको में जल-जमाव की समस्या का जायजा लेने पहुँचे। शहर में लगातार बारिश हो रही है। बारिश के कारण कुछ जगहों में जल जमाव की शिकायत देखी गई।

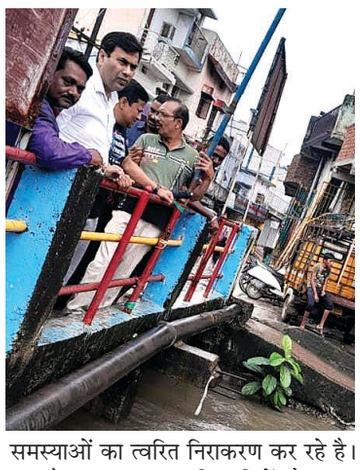

रात से सुबह तक भारी बारिश के कारण पैदा हुई समस्या की जांच के लिए महापौर बाकलीवाल व आयुक्त चन्द्राकर शहर निरीक्षण के लिए निकल पड़े। जहाँ जहाँ जल भराव की समस्या है का जायजा लेने जगहों में पहुच रहे है।शहर में भारी वर्षा के कारण हुई जल भराव से जुड़ी समस्याओ को दृष्टिगत रखते हुए महापौर धीरज बाकलीवाल,आयुक्त लोकेश चन्द्राकर एवं निगम के अधिकारी निरीक्षण कर जन समस्याओं का त्वरित निराकरण कर रहे है। महापौर व आयुक्त अधिकारियों के साथ प्रभावित इलाकों का दौरा किया।

उन्होंने केलाबाड़ी रानी लक्ष्मी बाई चौक का नाला में फंसे कचरे को निकलवाया गया। इसके बाद शंकर नगर के पहले अपोलो फार्मेसी के सामने नाला के आस पास पानी बहाव के लिए रास्ता क्लियर करने की बात कही।उन्होंने शंकर नगर दुर्गावती चौक के नाला का निरीक्षण कर आवश्यक निर्देश दिए। वार्ड क्रमांक 15 पार्षद उषा ठाकुर के घर के पास बारिश के कारण कच्चा मकान गिर गया है। महापौर धीरज बाकलीवाल व आयुक्त लोकेश चन्द्राकर ने पीड़ित घरवालों से मुलाकात कर उनकी समस्या से रूबरू हुए और मौजूद अधिकारी को जल्द निराकरण करने के निर्देश दिए। ताकि पीड़ित परिवार को परेशानियों का सामना न करना पड़े। हेरिटेज स्कूल के सामने नाला एवम शक्ति नगर वार्ड में पानी की निकासी की स्थिति देखे।

निरीक्षण के दौरान जल जमाव की समस्या को देखते हुए निगम के कर्मचारियो को युद्ध स्तर पर काम करने को कहा। जिससे कि जल्द से जल्द जल भराव की समस्या का निराकरण किया जा सके। निरीक्षण के दौरान कार्यपालन अभियंता दिनेश नेताम,जितेंद्र समैया,स्वास्थ्य अधिकारी जावेद अली, मोहित मरकाम आदि मौजूद रहें।

महिला आरक्षण बिल महिलाओं से धोखा - पीसीसी चीफ बैज

- आरक्षण कब लागू होगा किसी को पता नहीं
- 2024 में आरक्षण क्यों लागू नहीं हो सकता?

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष एवं सांसद दीपक बैज ने कहा कि आरक्षण का संघर्ष इस देश की महिलाओं के लिए बहुत लंबा रहा है और हर बार उनको मायूसी ही झेलनी पड़ी है। इस बार जब महिला आरक्षण बिल आया तो सशक्तिकरण और राजनीतिक भागीदारी की उम्मीद एक बार फिर जागी। लेकिन आज देश की आधी आबादी अपने आप को ठगा सा महसूस कर रही है। ऐसा लग रहा है, मुँह तक आया निवाला ही छीन लिया गया हो।

प्रदेश कांग्रेस एवं सांसद अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि आनन-फानन में लाए गए इस बिल के ज़रिये महिलाओं को आखिर आरक्षण कब मिलेगा, ये कोई नहीं जानता। सरकार खुद कह रही है 2029 से पहले संभव ही नहीं। जनगणना और परिसीमन से महिला आरक्षण को जोड़कर, महिलाओं को कहा गया है - अभी इंतज़ार लंबा है। सरकार के मंत्रियों और सांसदों ने संविधान के अनुच्छेद 82 - 81(3) का हवाला दिया जिसके अनुसार 2026 का परिसीमन उसके बाद वाली जनगणना मतलब 2031 वाली जनगणना पर ही संभव है। यानी महिला आरक्षण संभवत: 2039 तक ही हो सकता है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष एवं सांसद दीपक बैज ने पूछा कि आखिर 2024 में ये क्यों नहीं हो सकता? अगर वाक़ई में इच्छाशक्ति है तो जैसे दो मिनट के अंदर नोटबंदी, तीन काले क़ानून, लॉकडाउन, 370 को हटाने जैसे निर्णय लिए गए थे - वो अब भी लिये जायें। अगर इस क़ानून से महिलाओं को वाक़ई सशक्तिकरण और भागीदारी देने की मंशा है तो फिर देर किस बात की? अन्यथा यह झुनझुना नहीं तो और क्या है? ये साफ़ प्रतीत होता है कि राज्यों में अपनी हार से बौखलाकर इंडिया गठबंधन की ताक़त को देखकर मोदी जी परेशान हो गए और अडानी के ऊपर आँच ना आए इसलिए पहले इंडिया बनाम भारत का शिगूफा छोड़ा गया, और फिर जब उससे आक्रोश दिखा तो महिला आरक्षण बिल को ले आये। वो क़ानून जो आज से 10 साल बाद ही शायद क्रियान्वित हो। ये तो कुछ किसानों की आय दोगुनी, हर साल दो करोड़ रोज़गार, 15 लाख बैंक खातों में, 100 स्मार्ट सिटी, रुपया- डॉलर का बराबर मूल्य और चीन को लाल आँख दिखाने वाले जुमलों जैसा साबित होता दिख रहा है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि यह बिल महिलाओं को अधिकार देता है कि वो ना सिर्फ़ सार्वजनिक जीवन में बल्कि संसद के पटल से महिला सशक्तिकरण, महिलाओं के खिलाफ हो रहे अपराधों की और महिला सुरक्षा की पुरज़ोर योद्धा बनें। मेरी आशा है कि इस क़ानून के बन जाने के बाद महिला सांसद बेख़ौफ़ होकर महिलाओं के खिलाफ बढ़ते हुए जघन्य अपराधों पर बोलेंगी, उनकी भर्त्सना कर सकेंगी और अपराधियों को सज़ा दिलाने के लिए निडर हो कर माँग करेंगी।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950